जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 290 प्रभात जालोर, गुरुवार 26 जनवरी, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'सुषमा स्वराज के पास राजनैतिक शक्ति नहीं थी, मैं मोदी के विश्वस्त डोवल के साथ ही डील करता था'

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पेओ ने अपनी नई किताब में भारत के विदेश मंत्रियों के साथ अपनी डीलिंग्स पर लिखे चैप्टर में कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पॉम्पेओ ने यह टिप्पणी कर उस बात की पुष्टि कर दी है, जो जगजाहिर थी पर कभी स्वीकारी नहीं गई।
- पॉम्पेओ ने अपनी किताब में मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर की तारीफ की, उन्होंने किताब में जयशंकर को ''जे'' नाम से संबोधित किया और कहा कि इससे बेहतर समकक्ष नहीं मिल सकता था।

नई दिल्ली, 25 जनवरी। जो चीज राजनैतिक हल्कों में सुविदित थी किन्तु आम लोगों की जानकारी में नहीं थी, उस बात की पुष्टि अमेरिका के पूर्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) माइक पॉम्पेओ ने भी कर दी है। पॉम्पेओ ने कहा है कि उन्होंने भारत की विदेश मंत्री रहीं सुषमा स्वराज को एक ''महत्वपूर्ण राजनैतिक हस्ती'' कभी नहीं पाया तथा वे (पॉम्पेओ) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के साथ काम करने को प्राथमिकता देते थे।

अपनी नवीनतम पुस्तक ''नैवर गिव एन इंचः फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव'' में अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री ने कहा है कि सुषमा स्वराज, मई 2014 से मई 2019 तक विदेश मंत्री रही थीं और मुझे लगा कि वे राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं थी हस्ती'', किन्तु विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहली मीटिंग में ही बहुत प्रभाव छोड़ा।

मंगलवार को यह पुस्तक बुक-स्टोर्स पर पहुँच गई तथा इसकी खूब चर्चा रही। इस पुस्तक में पॉम्पेओ ने सुषमा को कुछ उपेक्षा की शिकार बताया है तथा उनके लिये तुच्छ अमेरिकन शब्दों ''गूफ बॉल'' तथा ''हार्टलैंड पॉलिटिकल हैक'' का प्रयोग किया है।

पॉम्पेओ का रहस्योद्घाटन इस कटु वास्तविकता को सामने लाता है कि मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्रियों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि सुषमा स्वराज भाजपा की एक सीनियर नेता थीं, लेकिन फिर भी विदेशी राजनयिकों, खासतौर पर अमेरिका के, ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से वे राजनैतिक रूप से दमदार नहीं थीं। लेकिन सुषमा ने अपनी नाराजगी को कभी सार्वजनिक नहीं किया क्योंकि वे संघ और भाजपा के अनुशासन से बंधी हुई थीं। स्वराज का अगस्त 2019 में निधन हो गया था।

59 वर्षीय पॉम्पेओ अपनी किताब में लिखते हैं कि ''भारत में, मेरा वास्तविक समकक्ष (भारतीय विदेश मंत्री) भारतीय विदेश नीति टीम का महत्वपूर्ण भाग नहीं था। इसके बजाए मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं प्रधानमंत्री मोदी के विश्वासपात्र अजित डोभाल के साथ अधिक निकटता से काम किया।''

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विश्वासपात्र पॉम्पेओ उनके प्रशासन में वर्ष 2017 से 2018 तक सी.आई.ए. के डायरैक्टर रहे और फिर वर्ष 2018 से 2021 तक अमेरिका के विदेश मंत्री रहे।

अमेरिका का यह पूर्व शीर्ष राजनयिक, जो वर्ष 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपनी संभावना तलाश रहा है, लिखता है कि ''मेरे दूसरे भारतीय समकक्ष सुब्रमण्यम जयशंकर थे। मई 2019 में हमने भारत के नए विदेश मंत्री के रूप में ''जे'' का स्वागत किया। मैं इससे अच्छे ''काउंटर पार्ट'' की चाह नहीं कर सकता था। मैं इस व्यक्ति को पसंद करता हूं। उनके द्वारा बोली जाने वाली सात भाषाओं में से एक अंग्रेजी है, और कुछ अर्थों में वह मुझसे बेहतर है।''

पॉम्पेओ ने अपनी किताब में जयशंकर का चित्रण इस प्रकार किया है कि ''वे पेशेवर और तर्कपूर्ण हैं और अपने बॉस एवं देश के जबर्दस्त पक्षधर हैं।''

उन्होंने कहा कि वो समझ सकते हैं कि मुझे उनकी पूर्ववती के साथ काम करने में परेशानी क्यों हुई थी। मैंने मजाक में प्रत्युत्तर दिया। मैं भी ऐसा ही हूं वह हंसे कि यदि यह सच होता तो यह मुझे ऐसा पहला सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्षपाती राजनेता बना देता जो कभी हार्वड लॉ रिव्यू का संपादक रहा हो। पॉम्पेओ ने जयशंकर के लिए ''जे'' संबोधन करते हुए कहा- ''वैल प्लेड।''

पॉम्पेओ के दावों पर टिप्पणी करते हुए जयशंकर ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश करते हुए न्यूज़ एजेंसी पी.टी.आई. को बताया कि ''मैंने सुषमा स्वराज जी के जिक्र वाले मंत्री पॉम्पेओ की पुस्तक के अंश को पढ़ा है। मैंने हमेशा सुषमाजी का बहुत आदर किया है तथा मेरे उनके साथ निकट एवं मधुर संबंध थे। मैं उनके लिए अमेरिका की बोलचाल की भाषा में कहे गए अनुचित शब्दों की निंदा करता हूं।''

'कर्मचारी को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा सिंह ने एक सरकारी शिक्षक की याचिका पर यह फैसला दिया।

नई दिल्ली, 25 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि नियोक्ता अपने कर्मचारियों को कोविड -19 का वैक्सीन लगवाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की एकलपीठ ने दिल्ली के एक सरकारी स्कूल शिक्षक की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। याचिका में मांग की गई थी उसे कोविड-वैक्सीन लगवाने के लिए बाध्य न किया जाए तथा पढ़ाने और अन्य कार्यों की जिम्मेवारी उठाने दी जाए। उन्होंने संबंधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में दिनांक 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अतः दैनिक राष्ट्रदूत का अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा। -प्रबंध सम्पादक

'सुप्रीम कोर्ट ने कोई ''सैन्सिटिव'' रहस्य उजागर नहीं किया'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। कांग्रेस नेता तथा वरिष्ठ एडवोकेट पी. चिदम्बरम ने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम द्वारा भेजे गये नामों को ''मनमाने'' आधार पर कैसे खारिज कर देता है। इस मामले में मुख्य बात यह है कि सौरभ किरपाल, जो खुले आम समलैंगिक एडवोकेट हैं तथा जिनके नाम की सिफारिश उच्च न्यायालय के जज के लिये की गई थी,

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम पर कानून मंत्री रिजीजू ने संवेदनशील रहस्योद्घाटन का जो आरोप लगाया उस पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने टिप्पणी की।

पर केन्द्र सरकार ऐतराज कर रही है।

कल केन्द्रीय विधि मंत्री किरेन रिजीजू ने इस बात पर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी कि सर्वोच्च न्यायालय उन उम्मीदवारों के बारे में रॉ तथा बी द्वारा दी गई जानकारियों को उजागर कर रहा है, जिनके नामों की अनुशंसा पदोन्नति के लिये की गई है। विधि मंत्री की इस टिप्पणी के एक दिन बाद, अथौत आज कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने कहा कि ऐसी कोई संवेदनशील बात उजागर नहीं हुई है जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार क्रांतिकारी सुधार किया जाए'

पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक और लेखक मोशर्रफ ज़ैदी ने एक रिपोर्ट में बदहाल पाकिस्तान की तुलना तेजी से आगे बढ़ रहे भारत से करते हुए कहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- उन्होंने कहा, दो दशक पहले भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर थी, जो अब बढ़ कर 3.18 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, भारत अब सम्पन्न देश है। पाकिस्तान की जी.डी.पी. 20 साल पहले 63 बिलियन डॉलर थी, जो अब 350 अरब डॉलर हो गई है और इस मामूली सी बढ़ोतरी पर भी पाकिस्तान का एक वर्ग जश्न मना रहा है, जबकि एक बड़ा वर्ग हताश और निराश है।

नई दिल्ली, 25 जनवरी। ताजा खबरें संकेत देती हैं कि पाकिस्तान आर्थिक और वित्तीय रूप से बहुत बुरी स्थिति में है। दुःख की और बात ये भी है कि देश की सेना द्वारा बेलगाम हस्तक्षेप करने और नीति निर्माताओं की अक्षमता के कारण वहां आंतरिक अशांति है। इसीलिए पाकिस्तान में आंतरिक सुधारों की मांग जोर-शोर से बढ़ रही है।

इसके विपरीत भारत आर्थिक रूप से तथा विश्व स्तर पर मजबूत हो गया है और प्रधानमंत्री मोदी को कईयों द्वारा विश्व का सर्वाधिक प्रभावशाली नेता बताया जा रहा है।

पाकिस्तान के न्यूज इन्टरनैशनल के लेखक एवं विश्लेषक मोशर्रफ़ ज़ैदी ने अपने एक लेख में स्पष्ट किया है कि आपस में उलझे परमाणु हथियार सम्पन्न दोनों पड़ोसी देशों की संक्षेप में क्या स्थिति है।

दो दशक पूर्व भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर से अधिक थी और पाकिस्तान की 63 बिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. 678 बिलियन डॉलर, यू.के. की 1,690 बिलियन डॉलर या 1.69 ट्रिलियन डॉलर थी तथा फ्रांस की जी.डी.पी. 1,490 बिलियन डॉलर या 1.49 ट्रिलियन डॉलर थी। तब भारत एक गरीब देश था, जिसमें बहुत से लोग गरीब थे।

आज यू.के. की जी.डी.पी. बढ़कर 3.13 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और फ्रांस की 2.96 ट्रिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. बढ़कर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और भारत की 3.18 ट्रिलियन डॉलर। भारत में अब भी गरीब लोग हैं, लेकिन फिर भी यह एक अमीर देश है। वर्ष 1999 में वैश्विक मंच पर अपना स्थान बनाने को लेकर भारत अक्षम था, लेकिन अब स्थिति बिल्कुल बदल गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या फर्जी है?

गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियाँ और सरकारी तेल कम्पनियाँ इस विवाद को लेकर हाई कोर्ट पहुँची

-यादवेन्द्र शर्मा-

- यह मामला जटिल इसलिए हो गया, क्योंकि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों के आंकड़े 2011 की सामाजिक आर्थिक जनगणना पर आधारित हैं।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 2011 के सर्वे के बाद अब तो इन परिवारों के बच्चे भी वयस्क हो गये हैं और उन्होंने भी इस योजना के तहत गैस सिलेण्डर प्राप्त किये हैं।
- इस मामले में जटिलता इस लिए भी आई, क्योंकि, केन्द्र सरकार ने लाभान्वित परिवारों को चिन्हित करने की प्रक्रिया में कई बार परिवर्तन किये और साथ ही यह भी निर्देश दिये कि, ज्यादा से ज्यादा गैस कनैक्शन लगाएं।

जयपुर, 25 जनवरी। प्रदेश में एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक और एल.पी.जी. गैस उत्पादन करने वाली सरकारी तेल कम्पनियों के बीच का एक बड़ा विवाद राजस्थान हाईकोर्ट तक पहुंचा है। विवाद के अनुसार पिछले वर्ष 18 जुलाई को केन्द्रीय पैट्रॉलियम एवं गैस मंत्रालय ने प्रदेश में कार्यरत एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरकों को पत्र लिखकर आदेश पारित किये कि वे 31 जुलाई तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करायें। गौरतलब है कि इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार लाभार्थी को एल.पी.जी. कनेक्शन के लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

यहां उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का वर्ष 2016 में उद्घाटन किया गया था, जिसके अन्तर्गत भारत में गरीबी रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. गैस कनेक्शन दिया जाता है। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले परिवार के आंकड़े 2011 में करे गये आर्थिक सामाजिक एवं जातिगत जनगणना के आधार पर प्राप्त किये गए थे और फिर ये आंकड़े सभी सरकारी तेल कम्पनियों को दिये गये थे। इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार गरीबी की रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. कनेक्शन दिया जाना था और उसके लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

गौर फरमाने योग्य है कि 28 मार्च 2018 को विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों द्वारा यह आदेश पारित किये गये थे कि एल.पी. जी. गैस वितरण कम्पनियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभान्वित महिला के अलावा परिवार के एक अन्य सदस्य के आधार कार्ड की जानकारी भी अपलोड करनी होगी, और साथ ही यह चेतावनी दी गई कि अगर एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों ने निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत यह जानकारी नहीं दी तो उनके द्वारा जारी किये गये सभी गैस कनेक्शन खारिज माने जायेंगे और उक्त वितरक कम्पनियों पर कड़ी कार्रवाई करी जायेगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय व विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों का कहना है कि नियंत्रक और महालेखाकार परीक्षक (कैग) की एक ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया कि कई अयोग्य लोगों को भी इस योजना के तहत लाभ पहुंचाया गया था और कई लोग जो 2011 की गनगणना के अनुसार अल्पवयस्क थे उन्हें भी गैस कनेक्शन दिये गये। इस तथ्य के कारण ही पैट्रोलियम मंत्रालय ने गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों से लाभाविन्त सभी परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मांगी है।

राजस्थान के एल.पी.जी. गैस वितरक कम्पनी के एक संघ ने पैट्रोलियम मंत्रालय की ओर से 18 जुलाई 2022 को जारी किए गये आदेश को चुनौती देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की और कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में लाभार्थियों की जानकारी 2011 की जनगणना पर आधारित थी, परन्तु 2011 से अभी तक करीब 11 वर्षों में कई परिवारों के सदस्य वयस्क हो चुके हैं और शादी के बाद एल.पी.जी. कनेक्शन प्राप्त करने के हकदार भी हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ बाफना ने कहा कि कई लोग जो वयस्क हो चुके हैं और अपना अलग परिवार चला रहे हैं, उन्होंने इस योजना के तहत गैस कनेक्शन भी लगवा लिये हैं।

याचिका के अनुसार गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में तीन लाख गैस कनेक्शन जारी कर दिये हैं। याचिका कर्ताओं का कहना है कि अगर पैट्रोलिय मंत्रालय के 17 जुलाई 2022 के आदेश के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी दी तो आंकड़ों का 'डुप्लीकेशन' होगा और ऐसा प्रतीत होगा कि एक ही परिवार के अंदर अलग-अलग लोगों के नाम पर गैस कनेक्शन जारी किये गये हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पैट्रोलियम मंत्रालय के आदेश का पालन किया जाये तो कई वास्तविक लाभार्थियों के गैस कनेक्शन रद्द करने पडेगें और गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियां भी अनुचित तरीके से दण्ड की भागीदार होंगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों की तरफ से अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुई थी। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता, गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ, को आदेश दिए हैं कि वे दो माह के अंदर सरकारी तेल कम्पनियों और पैट्रोलियम मंत्रालय द्वारा लाभान्वित परिवारों के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करवाएं। अदालत ने पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों को आदेश दिये हैं कि वे अभी याचिकाकर्ता गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों पर कोई कार्रवाई नहीं करें। अदालत ने इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 20 मार्च तय की है और केन्द्र सरकार और सरकारी तेल कम्पनियों को अपना जबाव दायर करने को कहा है।

विचार बिन्दु

मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है,
किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। -संस्कृत सूक्ति

क्या हैं अखिल भारतीय सेवाओं से जनता को आशाएं-निराशाएं?

राज व्यवस्था राजशाही-सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज-सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न-भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।

आजादी के बाद पूर्ववर्ती समकक्ष सेवाओं इंडियन सिविल व पुलिस सेवाओं (ICS, IP) को IAS, IPS नामकरण के साथ चालू रखा गया। इन सेवाओं को भारतीय संविधान की धारा 312(2) में भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा नामकरण के साथ शामिल किया गया। इन्हें भारत की संसद द्वारा सृजित माना गया।

1952 में संसद द्वारा पारित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम के अंतर्गत इन सेवाओं के सृजन के लिए केंद्र सरकार को अधिकृत किया हुआ है। कालांतर में अखिल भारतीय वन सेवा का ओर गठन किया है। वर्तमानं में यही तीन सेवाएं अखिल भारतीय सेवाएं हैं।

आम आदमी का मुख्यत: IAS, IPS अधिकारियों से ज्यादा काम पडता है।

जिन क्षेत्रों विभिन्न श्रेणियों के संरक्षित वन क्षेत्र है, अभ्यारण है वहां के लोगों का और पर्यावरण से जुड़े कार्यों से प्रभावित लोगों का अधिकारियों से वास्ता पड़ता है।

** भारत नें लोकतांत्रिक-जनहितकारी राजव्यवस्था अपनाई है। इसमें लोकसभा, विधानसभाओं के चुनावों के आधार पर बहुमत प्राप्त दल की या गठबंधन की सरकारों का गठन होता है। मंत्रिमंडल सरकार का सर्वोच्च निकाय है। बहुमत प्राप्त सरकार पर अपनी नीतियों के अनुरूप और जनता से किए वायदों की पूर्ति के लिए कानून-नियम-नीतियां बनाने, लागू करने-करवाने का, जनता से व अन्य स्त्रोतों से प्राप्त धन के सदुपयोग का दायित्व है। सरकारें लोकसभा या विधानसभाओं में अपने निर्णयों, कर्तव्यों प्रति उत्तरदायी होती है।

IAS, IPS आदि सेवाओं से अपेक्षा:--यह आशा की जाती है कि इन सेवाओं के अधिकारी संविधान, उसके अनुसार निर्मित विधानों, नियमों की पालना करते हुए, पूर्ण निष्ठा, समर्पण, समानता, सक्षमता, राग-द्वेष-धर्म-जाती-किसी धार्मिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक संगठन और स्वयं की व्यक्तिगत भावनाओं से रहित होकर, कार्य करते हुए सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन करेंगे। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का मार्गदर्शन कर, क्रियान्वयन करवाएंगे।

IAS, IPS अधिकारियों से जनता अपेक्षा करती है कि वे अपने दायित्वों, कार्यों के निष्पादन करते हुए जनता व उनके प्रतिनिधियों के साथ पूर्ण आदर सम्मान से उनके अभाव-अभियोगों-सुझाओं को सुनेंगे और यथासम्भव समाधान करेंगे।

मुख्यत: कलेक्टर, एसपी के कार्य कलापों से इन सेवाओं की छवि के बारे में आम आदमी अपने विचार बनाता है। आम आदमी जिला स्तर पर इन अधिकारियों में राज्य सरकार को देखता है।

एक बहुत ही संजीदा विधायक नें एक कलेक्टर से कहा कि सत्ता पक्ष के लोगों की सुनने के लिए तो सम्बंधित पार्टी के MLA व दूसरे जन प्रतिनिधि, पार्टी के कार्यकर्ता होते है। उनकी आवाज तो जिला व उपर तक पहुंच जाती है किन्तु जो विपक्ष के या गैर राजनीतिक लोग होते है वे आशा करते हैं कि कलेक्टर एसपी उनकी बात सहानुभूतिपूर्ण रुख के साथ सुनेंगे और समस्याओं का समाधान करने या करवाएंगे।

एक दूसरे संजीदा विधायक नें एक नवयुवक एअ्ध को कहा कि विधायक होने के नाते उनके पास लोग अपनी समस्याएं, अभियोग लेकर आएंगे और उनको अधिकारियों के पास पहुंचना, समाधान करवाना उनका कर्तव्य है। इसलिए उनकी अपेक्षा है कि उनकी बातों को विस्तार से, ध्यानपूर्वक सुना जाए--नियमों के अनुसार निर्णय करने के लिए अधिकारी स्वतंत्र है--उसमें उनका कोई आग्रह-दुराग्रह नहीं होगा।

राज व्यवस्था राजशाही-सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज-सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न-भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।

इस प्रकार के संजीदा जनप्रतिनिधि कम होते जा रहे है।

पार्टियां कार्य कर्ताओं का केवल भीड़ इक्कठी करवाने और नारे लगवाने में उपयोग करती है। उनका राज व्यवस्था व जन समस्याओं के उचित निवारण के तरीकों का प्रशिक्षण दिया ही नहीं जाता।

आईएएस अधिकारी जब नीति निर्माण करने के स्तर पर मंत्रियों के साथ कार्य करते है तब उनका परम् दायित्व है कि तथ्यों, कानून-नियमों के अनुसार उन्हें सर्वोत्तम राय दें। राय देने के उपरांत जो निर्णय मंत्री अथवा मंत्री मंडल का हो उसकी पूर्ण रूपेण पालन करें।

आईपीएस का दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण, अनुसन्धान व अभियोजन है। इस दृष्टि से का कार्य क्षेत्र सीमित है किन्तु इस सेवा के अधिकारियों की निष्ठा, कार्य प्रणाली, दक्षता, व्यवहार का सरकारों की छवि बनाने या बिगड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जनता का आईएएस, आईपीएस के सम्बंध में यह परसेप्शन है कि इन अधिकारियों के सेवा शर्ते अन्य प्रादेशिक अधिकारियों-कर्मचारियों की तुलना में काफी ज्यादा है। इनके पास बहुत अधिकार होते है। वस्तुत: सरकार यही लोग चलाते है आदि, आदि।

** हाँ, इन अधिकारियों को किन किन पदों पर लगाया जाएगा, यह केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर तय होता है। प्रादेशिक सेवाओं की तुलना में वेतन,बहुत ज्यादा तो नहीं किन्तु कुछ अधिक होता है। पदोन्नतियां भी कमोबेश निश्चित समय सीमा में हो जाती है।

सबसे बडी बात यह है सरकारें इनके स्थानांतरण में पूर्णत: निरंकुशता नही अपना सकती। इन्हें आप पदस्थापन प्रतीक्षा में तो रख सकते है किंतु किसी की सनकों की पूर्ति के लिए हर किसी स्थान-पद पर नहीं लगाया जा सकता। पदस्थापन के स्थान भी अधिकांशत: जिला मुख्यालयों से नीचे नहीं है। अधिकारियों के भी पदस्थापना जिला मुख्यालय या चिन्हित अभ्यारणों आदि स्थानों पर ही लगा सकते है। राज्य सरकार निलंबित तो कर सकती है किंतु उसमें भी निरंकुशता पर नियंत्रण है।

***आज कल यह सुनना, पढ़ना आम है कि मंत्री, विधायक, सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता आरोप लगाते है कि अधिकारी उनकी नहीं सुनते। अधिकांस अधिकारी ऐसे नहीं होते किन्तु अपवाद भी सामने आते रहते है।

चाहे पोलिटीसियन्स का अपनी गैरवाजिब बात मनवाने के दुराग्रह जो या अधिकारियों का अनुचित, रोड़ा लगाने-काम को डिले करने का दुराग्रह-पूर्वाग्रह हो दोनों ही अनुचित व निंदनीय हैं।

*****राज नेताओं से अपेक्षा:**-अच्छे राजनेता, ब्यूरोक्रेट्स के डोमेंन नॉलेज व उनकी राय का, जन हित में सर्वोत्तम सदुपयोग करें। दाब, धौंस, बेहिसाब व नियम कायदों के ट्रांसफर्स, ओबलिगेसन्स, तंत्र के माध्यम से विरोधियों के हैरेसमेंट की राजनीति अल्पायु होती है। ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जहां ऐसे नेताओं का सूर्यास्त होते ज्यादा समय नहीं लगता। उनको यह समझना होगा कि अधिकारियों की काम करने की शक्तियां मर्यादित है। मंत्री लोग नियम कायदों में बदलाव के लिए सक्षम है, उन्हें कार्यकर्ताओं के काम करने के लिए इस राजमार्ग का उपयोग करना चाहिए। अधिकारियों से क्यों उलझन?

***कुछ बातें जो आम लोगों में चर्चा का विषय बनती है और इन सेवाओं के अधिकारियों की छवि खराब करती है:---

*जनता में यह चर्चा का विषय बनता है कि कई IAS, IPS - अधिकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग लिए, पोलिटीसियन्स के माध्यम से लॉबीइंग करवाते है। ऐसा करने वाले अधिकारी निष्पक्ष नहीं जो सकते।

*यह भी जन विमर्श में सुनने को मिल जाता है कि कई अधिकारी, मामलों में बिना तथ्य की गहन परीक्षण व बिना अपना सुविचारित दृष्टिकोण बताए, मंत्रियों के कहने अनुसार टिप्पणियां लिख देते है।

*नीचे के स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का ज्यादा काम पड़ता है और नाइत्तफाकी भी होती है। कुछ कार्यकर्ता इन कार्मिकों को अपने बडे नेताओं के जरिये परेशान करवाते है, अनुचित ट्रांसफर करवाते है। उनके वाजिब संरक्षण का दायित्व उच्चाधिकारियों का है किंतु कई बार इस दायित्व के निर्वहन के लिए प्रयास ही नही किए जाते। माना कि अंतिम निर्णय मंत्री का ही होगा किन्तु तथ्यात्मक विमत तो टिप्पणियों में हो।

*किन्ही मामलों में यह भी सुनने को मिल जाता है कि उच्चाधिकारी नें मौखिक आदेश देकर काम कर लिया किन्तु आवश्यकता पड़ने पर आदेश कन्फर्म नहीं करते हैं।

*बहुत से नियमों में व्याख्या करने की डिस्क्रिशनरी पावर अधिकारियों के पास होती है। इस अधिकार का जन हित में या किसी व्यक्ति के हित में उपयोग करने में कोताही नही बरतनी चाहिए बशर्ते कि इसमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को हानि न पहुंचे, उनके किसी अधिकार का हनन न होता हो। लेकिन बहुत से अधिकारी ऐसे मामलों को टालने ऊपर खिसकाने की बिमारी ग्रस्त होते है या कुछ अधिकारी कभी कभी स्वहित में दुरुपयोग करने से नही चूकते।

*पहले नहीं था किंतु कुछ समय से अखिल भारतीय सेवाओं के कुछ अधिकारियों पर पार्टी विशेष या कुछ सामाजिक-सांस्कृतिक-जातीय संगठनों की विचारधाराओं को ध्यान में रख कर कार्य करने की खुसर-फुसर भी सुनने को मिल ही जाती है।

*सबसे बड़ी बात जिसकी आम आदमी में चर्चा रहती है वह यह है कि बहुत से जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर भ्रष्टाचार करते है। दोनों में से अकेले के लिए यह करना सम्भव तो है किंतु अत्यंत कठिन व कंटक भरा।

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

आबादी : हम, वे और जो तथ्य हैं

डॉ रामावतार शर्मा

जब भी भूमि के किसी भाग पर आबादी वहां के संसाधनों से ज्यादा हो जाती है तो उस स्थान पर संघर्ष प्रारंभ हो जाता है। जब संघर्ष प्रारंभ होता है तो लोग जाति, धर्म, कबीले आदि में बंट जाते हैं ताकि सामूहिक शक्ति का निर्माण हो और संघर्ष में विजय हासिल हो। तकरीबन यही बात प्रजातंत्र में सत्ता हासिल करने के लिए अपनाए गए हथकंडों में से भी एक होती है। ऐसा होना एक बड़ी नकारात्मक बात है पर होता यही है। इन परिस्थितियों में आबादी में बड़े स्तर का ध्रुवीकरण होने लगता है और छोटी-सी बात से ही हिंसा की चिंगारी हर तरफ आग की तरह फैल सकती है। आज कल हम सोशल मीडिया द्वारा सच और झूठ दोनों का जोरदार प्रचार देख रहे हैं। अब यदि कोई यह सोचता है कि यह दुष्प्रचार यूं ही चलता रहेगा तथा सत्ता पर कुछ लोगों का अधिकार बना रहेगा तो यह शायद एक बड़ी भूल सिद्ध हो। मानवीय अस्तित्व के इतिहास में आज तक कोई भी ऐसी क्रिया नहीं हुई है जिसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रतिक्रिया नहीं हुई हो।

जब आबादी तेजी से बढ़ती है तो सामाजिक भाईचारा भी तेजी से समाप्त होने लगता है। आबादी बढ़ने से विकास दर भी बढ़ती है तो कुछ लोग शीघ्रता से संपन्न होने लगते हैं जिसके फलस्वरूप इन समूहों के कुछ लोगों में राजनीतिक महत्वाकांक्षा का जन्म होने लगता है।

राजनीतिक वर्चस्व के लिए लोगों का ध्रुवीकरण किया जाता है ताकि मत पेटी में एक ही दल को ज्यादातर मत मिलें। माहौल ऐसा बनाया जाता है कि मानो दूसरे लोग तुम्हारा सब कुछ छीनने को आतुर हैं, तुम्हारा धर्म, समाज और जाति खतरे में है, तुम्हारी संतान का भविष्य अंधकार में है। यदि इस विपत्ति से बचना है तो बस सिर्फ हमें ही चुनाव में सफल बनाओ और फिर बस चैन की बंसी बजाओ। पर ऐसा होता नहीं है चाहे जिसको सत्ता में बिठा दो। भला उन्ही का होता है जो सत्ताधारी लोगों को परोक्ष रूप से सत्ता में लाते हैं। आम जनता का तो पहले धर्म के आधार पर विभाजन होता है और फिर जाति और यहां तक कि गोत्र के नाम पर भी होने लगता है। समय के साथ तरह तरह की दरारें समाज के विभिन्न लोगों के मध्य अपना अस्तित्व जाहिर करने लगती हैं।

डॉक्टर हैंस रोसलिंग एक चिकित्सक और लेखक थे। उन्होने सत्य को उजागर करने के लिए शोध पर आधारित एक पुस्तक लिखी है फैक्टफुलनेस यानि तथ्यात्मकता। दूसरे उन्होंने देशों की सीमाओं को तोड़ पीड़ितों की सेवा के लिएं मेडिसिन सांस फ्रंटियर यानि सीमा मुक्त चिकित्सा सेवा नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित किया है। सत्य के पोषक मानवतावादी डॉक्टर रोसलिंग के अनुसार विश्व दो भागों में बंटा हुआ है वी यानि हम और देम यानि वे। हम से मतलब विकसित देश जहां लोग शिक्षित हैं, संपन्न हैं क्योंकि आबादी नियंत्रित है। वे मतलब तीसरी दुनिया के लोग, अशिक्षित, गरीब और बच्चों की प्लाटून के माता-पिता।

सन् 2002 के बाद तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत का एक वर्ग हम वाली स्थिति में तो पहुंच गया पर अब यहां राजनीति की प्रतिस्पर्धा के कारण एक बडी दरार पैदा हो गई है - हमारा और उनका। अब धर्म ठांथों नहीं धार्मिक चिह्नों को ही महत्व दिया जाने लगा है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि आदि सभी अपनी अपनी सेनाएं बनाने लगे हैं। विप्र सेना, परशुराम सेना, करणी सेना, जैश मोहम्मद, जांगिड़ सेना, इंडियन मुजाहिद्दीन, भीम सेना, सम्राट अशोक सेना, वीर तेजा जी सेना आदि असंख्य सेनाएं। चंद स्वार्थी और सत्ता लोलुप लोग देश की जनता को धर्म और जातियों में विभाजित करने में सफल होते जा रहे हैं और सत्ता में बैठे लोग स्वयं सरकार के द्वारा जारी आंकडों को गुमनामी में धकेल रहे हैं।

भारत के धर्म आधारित कुछ आंकड़े जो भारत सरकार द्वारा ही जारी किए गए हैं कई लोगों की आंखों को खोल सकते हैं यदि वे सचेत होकर इनका अध्ययन करें। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे की पहली रिपोर्ट (1990-92) के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर 3.39 बच्चे प्रति महिला थी जो 2019-21 में जारी पांचवी सर्वे में घट कर 1.99 रह गई है। कुछ लोग जो किसी गुप्त षडयंत्र द्वारा सत्ता हड़पने की बाते करते हैं उनके लिए इसी रिपोर्ट के अनुसार मुस्लिम कुल प्रजनन दर 1990-92 में 4.41 बच्चे प्रति महिला थी 2019-21 में यह दर 2.62 रह गई है। इस तरह से हम देख रहे हैं कि शहरीकरण, शिक्षा और जागरूकता के साथ जब आर्थिक दबाव आ जाता है तो लोग बच्चे कम पैदा करने लगते हैं। इसके साथ बाल स्वास्थ्य सुधरने से भी लोग बच्चों की अधिकता से दूर होने लगते हैं। डॉक्टर रोसलिंग सदा कहते थे कि हमें दुष्प्रचार से बच कर तथ्यों पर आधारित बातों को खोजने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि वास्तविकता की जानकारी बेहतर जीवन योजनाएं बनाने में सहायक होती है।

अब एक विचार पर मनन करने का शायद समय आ गया है कि इन तथाकथित धार्मिक, जातीय सेनाओं से देश को क्या नुकसान हो सकता है? चूंकि हम तीव्र सूचना विस्तारण के दौर से गुजर रहें हैं और युवाओं का एक वर्ग अपने आप को भविष्य का मुख्यमंत्री, मंत्री या विधायक माने घूम रहा है तथा उसी तरह की जीवनशैली येन केन प्रकारण बनाए हुए है। ये लोग ही इन तथाकथिक सेनाओं के सरदार बने हुए हैं। यदि किसी दिन इन लोगों को अपने सपने टूटते नजर आए तो ये हिंसक होते देर नहीं लगाएंगे। आर्थिक रूप से पीड़ित कितने ही लोग हिंसा के तांडव में सम्मिलित हो सकते हैं।

बड़े नेता निज स्वार्थ के लिए धर्म का सहारा लेते हैं तो दोयम दर्जे के नेता जातिगत विष वमन करेंगे।

स्वार्थों की इन लड़ाइयों में पहली बली सबसे कमजोर लोगों की और दूसरे स्थान पर प्रतिभावान युवाओं की लगेगी। हो सकता है आज हम इसे मनगढ़ंत वहम कहें पर इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है।

हम और वे यह भेद सदा बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। धरती पर सब कुछ एक बराबर कुछ नहीं होता है पर एक सभ्य समाज से उम्मीद की जाती है कि वह लोगों के बीच की खाई को कम बनाए रखे ताकि विशिष्ट परिस्थितियों में लोग खाई में लुप्त न हो जाएं। उन्हें खाई के पार जाने की संभावनाओं के साथ जीवन जीने की सुविधा मिलनी चाहिए।

-डॉ रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

दिव्यांग असीम अग्रवाल की गणतंत्र पर भारत देश के लिए भावभीनी काव्यांजलि

भारत आज़ादी से अब तक

15 अगस्त सन 47 को भारत था आजाद हुआ।
तब से ही एक नए युग का आगाज हुआ।
सदियों जुल्मों से जूझ रही धरती को यह वरदान मिला।
वर्ष 2 माह 11 दिन 18 में बन कर के हमें संविधान मिला।
तब से ही खत्म तानाशाही का अत्याचार हुआ।
26 नवंबर सन् 49 को संविधान तैयार हुआ।
गणतंत्र ने स्वतंत्रता को सही अर्थ दिया।
क्या है कर्तव्य और अधिकार यह तय किया।
इसके आने से राजतंत्र समाप्त हुआ।
इससे ही तो लोकतंत्र है व्याप्त हुआ।
संविधान से ही अधिकारों का है ज्ञान हुआ।
दलितों-पतितों हर वर्ग का है सम्मान हुआ।
अंग्रेजों के शोषण से देश को मुक्ति मिली।
भारत वर्ष को आत्मा विकास की युक्ति मिली।
जन-जन के मन में आजादी की उमंग उठी।
नव थल और जल में भारत की ही तरंग उठी।
जन गण मन हर मन में है गूंज रहा।

दिव्यांग असीम अग्रवाल

मन मुक्त गगन में उड़ने का पथ ढूंढ रहा।
जब से आया गणतंत्र देश में शांति हुई।
तब ही जाकर श्वेत और हरित यहां पर क्रांति हुई।
फिर विश्व पटल पर भारत का निर्यात बड़ा।
और धीरे-धीरे देशों से आयात घटा।
अर्थव्यवस्था में अपनी उदारीकरण का दौर आया।
उद्योगों में भी तब जाकर के जोर आया।
खेलों से भी बनता भविष्य यह विश्वास हुआ।
इस दौर में अब विज्ञान का भी है विकास हुआ।
स्वामी जी का स्वप्न सुनहरा सत्य हुआ।
भारत विश्व गुरु सिद्ध यह तथ्य हुआ।
हो युद्ध यहां हथियारों से या बीमारी से।
है देश खड़ा अब तो पूरी तैयारी से।
अब कौशल से हमें ढूंढना अवसर होगा।
भारत तब ही विकास पथ पर अग्रसर होगा।

-दिव्यांग असीम अग्रवाल,
पुत्र विजय कुमार अग्रवाल,
मदनगंज-किशनगढ़

75 वर्ष के खिलाड़ी अरुण सिंह ने कांस्य पदक जीता

- **मस्कट(ओमान) में कांस्य पदक जीत कर बढ़ाया जोधपुर और देश का गौरव**
- **पदक जीतकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का सम्मान एवं अभिनंदन किया**

जोधपुर, (कासं)। शाला कीडा संगम केन्द्र गौशाला मैदान जोधपुर के 75 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी अरुण सिंह बारहठ ने मसकट ओमान आयोजित विश्वस्तरीय वर्ल्ड वेटरन टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2023 भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक प्राप्त कर शाला संगम केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान और भारत का नाम गौरवान्वित किया है।

विश्वस्तरीय स्पर्धा में धाक जमाकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उनका भावपूर्ण सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता, विजय विश्नोई, पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता, मधुलिका एसीईएम फास्ट ट्रैक, एवं टेबल टेनिस एसोसिएशन के पदाधिकारी मुकुल गुप्ता, संजय गहलोत, कपिल मिर्धा, ज्योतिषाचार्य सुरेश श्रीमाली, जिला शिक्षा अधिकारी इसाफ खां जई, रफीक खां, सुमित्रा पंवार एवं शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र प्रशिक्षक रीटा नरूका, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, रानू सिंह चौहान, दिनेश भारती, राकेश सिंह देवडा, पुखराज चौधरी आदि समस्त स्टाफ द्वारा बारहठ एवं सुश्री सुनिधि दीवान का सम्मान किया गया। इन खिलाडियों को साफा, मोमेंटो एवं उच्च कोटि के रैकेट प्रदान कर सम्मान किया गया।

ठण्ड का असर बढ़ा, माउंट आबू में तापमान माइनस तीन डिग्री रहा

- **पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमी**
- **सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे हैं**
- **माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है**

माउंट आबू, (निसं)। सिरोही जिले में दो दिन की राहत के बाद फिर से ठण्ड का असर बढ़ गया है। प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान पिछले दो दिनों से 1 डिग्री दर्ज किया गया जा रहा था। जिसमें बुधवार को 4 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। पारे में गिरावट के बाद बुधवार का न्यूनतम तापमान माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमीं पाई गई। वही अलसूबह माउंट आबू में धुंध भी छाई रही।

माउंट आबू में पारे में गिरावट के चलते लोगों की दिनचर्या में इसका खासा असर देखने को मिल रहा है। लोग देर तक घरों में दुबके रहते है। वही स्कूली बच्चों और नौकरी और मजदूरी पर जाने वाले स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बीते दस दिनों में 8 दिन न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। वही दो दिनों से एक डिग्री थी जो बुधवार को 4 डिग्री गिरकर माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद माउंट आबू के मैदानी इलाकों, पहाडी इलाके में बहने वाले नालों, घरों व होटलों के बाहर खड़ी कारों की छत, बाहर रखे पानी व पेड़ पौधों पर बर्फ की हल्की परत जमीं पाई गई। वहीं सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। वही घरों में रहने दुबके लोग रूम हीटर का प्रयोग कर रहे है। माउंट आबू में इस वर्ष लम्बे समय से सर्दी का प्रकोप देखा जा रहा है। माउंट आबू में एक तरफ जहां पारे में गिरावट दर्ज की जा रही है तो अलसुबह पहाड़ों और पोलो ग्राउंड सहित अन्य जगह धुंध छाई रही। धुंध से ठंडी हवाओं भी चलती रही। जिसके चलते बाहर लोगों की कंपकंपी छूट गई।

राशिफल गुरूवार 26 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सांय 6:57 तक, शिव योग दिन 3:29 तक, बालव करण दिन 10:29 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सांय 6:57 से आरम्भ होगा। आज बसन्त पंचमी (उत्तर प्रदेश, पूर्वा मध्यप्रदेश, बिहार, असम आदि राज्यों में)। आज तक्षक पूजा, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन, रति काम महोत्सव, बागीश्वरी जयन्ती यात्रा दर्शन पूजा है। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:19 से 12:39 तक, लाभ-अमृत 12:39 से 3:19 तक, शुभ 4:39 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

(NABH प्रमाणित)

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

बेहतरीन उपचार एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आपके लिए हैं तैयार हम

मल्टीस्पेशिलिटी सुविधा

- जनरल मेडिसिन विभाग
- अस्थिरोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग
- नेत्र विभाग
- नाक-कान-गला विभाग
- प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग
- चर्मरोग विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कापिक सर्जरी विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग

सुपरस्पेशिलिटी सुविधा

- मस्तिष्क रोग विभाग
- हदयरोग विभाग
- मूत्ररोग विभाग
- गुर्दा रोग विभाग
- कैंसर विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग
- मधुमेह, थाइराइड एवं हार्मोन्स रोग विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग
- निःसंतानता रोग विभाग (आई.वी.एफ)

ई.ई.जी. | ई.एम.जी. | कलर डोप्लर | सीटी स्केन | एम.आर.आई. | डायलिसिस

सभी तरह की खून एव मूत्र की जांचे एवं ईको कार्डियोग्राफी की सुविधा | फिजियोथेरेपी की सुविधा

RGHS | चिरंजीवी | ESIC — योजनाओं के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

- 24 घण्टे ऐम्बुलेंस सेवा किफायती दरों पर
- डे-केयर कीमो थैरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
- हाइटेक ऑपरेशन थियेटर
- सुसज्जित आई.सी.यू.
- उच्च प्रशिक्षित स्टॉफ

24/7 सुविधाएँ उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001

फोन: 0294-3520000, 9828144314

STAR | BAJAJ Allianz | RELIGARE | Cigna | HDFC ERGO | Universal Sompo | care | RELIANCE General Insurance | Apollo Munich | ADITYA BIRLA HEALTH | SBI General | Royal Sundaram | TATA AIG | United Healthcare | MedSave | Medi Assist | MD India

धरने पर बैठे व्यापार संघ व बिदाणी परिवार को पुलिस ने अल-सुबह खदेड़ा

कोटपूतली में मास्टर प्लान के तहत सड़क विस्तारीकरण का मामला

- विरोध कर रहे बिदाणी परिवार के चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया
- प्रशासन की दमनात्मक कार्यवाही को लेकर लोगों में आक्रोश बरकरार
- नगर परिषद् आयुक्त ने पब्लिक नोटिस निकाल कर लिखा फिलहाल इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थान व मार्ग पर परिषद् नहीं करेगा कार्यवाही
- व्यापार मण्डल के बैनर तले प्रभावितों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर पुनर्वास व मुआवजे की मांग की

धरने पर बैठे व्यापारी परिवार को जबरन धरने से उठाकर थाने ले जाती पुलिस।

कोटपूतली, (निसं)। नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 को लागू करने और सड़क विस्तारीकरण को लेकर पुरानी नगरपालिका से आजाद चौक तक की जा रही संरचनायें तोड़ने की कार्यवाही को लेकर आज तीसरे दिन भी परिषद् प्रशासन द्वारा मलबा उठाने व विद्युत पोल लगाने की कार्यवाही जारी रही। किन्तु सोमवार को आजाद चौक में की गई कार्रवाई के बाद से पूरे शहर में तनाव का माहौल बना हुआ है। जहां प्रशासन ने कोटपूतली अग्रसेन चौराहे से लेकर आजाद चौक तक के पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया है, वहीं व्यापारी प्रशासन की कार्रवाई को दमनात्मक व तानाशाही बता रहे हैं।

जहां एक ओर आजाद चौक में कार्रवाई के बाद से व्यापारी नगर परिषद पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगा रहे थे वहीं मंगलवार शाम तक पीड़ित व्यापारी परिवार अपने तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर ही टेंट लगाकर धरने पर बैठ गया था। लेकिन देर शाम नगर परिषद दस्ता तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर विद्युत पोल लगाने पहुंचा तो व्यापारी व नगर परिषद प्रशासन के बीच तनातनी का माहौल हो गया और सुबह 4 बजे प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ धरने पर बैठे पीड़ित व्यापारी परिवार को जबरन उठा दिया और परिवार के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि इस पूरी कार्रवाई के बाद व्यापारी व लोगों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी बीच आक्रोशित व्यापारियों ने सैकड़ों की संख्या में इकट्ठे होकर कोटपूतली एडीएम रविंद्र शर्मा को नगर परिषद की कार्यवाही के विरोध में सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की है। व्यापार मंडल के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में पीड़ित व्यापारियों को पुनर्वास व मुआवजे की मांग की है। वहीं देर शाम तक मौके पर पुलिस प्रशासन के करीब 400 जवान व कोटपूतली एडीएम, एसडीएम तहसीलदार व डिवाईएसपी सहित प्रशासन का भारी जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। इस दौरान व्यापारीयों ने प्रशासन व क्षेत्रीय विधायक व गृह राज्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रशासन द्वारा इन दिनों सड़क विस्तारीकरण को लेकर कि जा रही कार्यवाही को लेकर चहुंओर चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग शहर के हर गली मौहल्ले में कार्यवाही को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इस दौरान जहां सोशल मीडिया पर कस्बे के 17 रोड़ों को चौड़ा किये जाने की लिस्ट वायरल हो रही है। वायरल लिस्ट के मुताबिक डाबला रोड 100 फीट, बानसूर रोड 100 फीट, नगर परिषद् पार्क रोड 80 फीट, गोपालपुरा रोड 60, लक्ष्मीनगर रोड 60 फीट, टेलीफोन एक्सचेन्ज रोड 60 फीट, श्याम मन्दिर रोड 60 फीट, सुन्दपुरा रोड 60 फीट, संजीवनी अस्पताल रोड 60 फीट, सरदार स्कूल रोड 60 फीट, राठौड़ पार्क रोड 60 फीट, पुतली कट से बानसूर रोड 60 फीट, गौशाला रोड 60 फीट, तहसील से नागाजी की गौर 60 फीट, आजाद चौक रोड 40 फीट, पुरानी सब्जी मण्डी रोड 40 फीट व दिल्ली दरवाजा से तहसील तक 40 फीट तथा इन सभी मार्गों से लगने वाली छोटी सड़कें भी 20 एवं 30 फिट चौड़ी किये जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि इस लिस्ट के वायरल पर अभी तक किसी भी अधिकारी ने अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। यह जरूर है कि एक बार जब यह लिस्ट वायरल हुई तब परिषद् आयुक्त ने उक्त लिस्ट को झूठा वायरल बता कर वायरल करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का भरोसा दिलाया था किन्तू अभी तक इस वायरल का सच क्या है यह सामने नहीं आया है।

लेकिन अभी तक उक्त लिस्ट के मुताबिक माने तो नगर परिषद् प्रशासन ने परिषद् पार्क रोड़ को 80 फीट किये जाने हेतू संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया है। वहीं सरदार स्कूल रोड़ को 60 फीट किये जाने हेतू संरचनायें तोड़ी गई हैं। साथ ही आजाद चौक रोड़ को भी 40 फीट चौड़ा किये जाने हेतू परिषद् ने विगत सोमवार से संरचनायें तोड़ना शुरू कर दिया था। ऐसे में लोगों को व्यथित व चिंतित होना लाजमी है।

दूसरी ओर परिषद् द्वारा की जा रही कार्यवाही के बाद व्यापारियों के आक्रोश व आरोपों के बाद कहीं ना कहीं नगर परिषद् बैकफुट पर नजर आ रही है। खुद आयुक्त फतेह सिंह मीना ने एक सार्वजनिक सूचना शोसल मीडिया पर वायरल की है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि नगर परिषद की एंपावर्ड कमिटी तथा बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसरण में नगर परिषद द्वारा सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक तथा पुरानी नगर पालिका भवन से आजाद चौक तक मास्टर प्लान सड़क मार्गाधिकार से स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही विभिन्न चरणों में संपन्न की गई है।

निर्णय के अनुक्रम में उपरोक्त सड़कों की चौड़ाई सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक 60 फीट, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक 80 फीट तथा पुरानी नगरपालिका भवन से आजाद चौक तक 40 फीट की जानी प्रस्तावित था जिसके अनुक्रम में उच्च न्यायालय द्वारा जिन सरंचनाओं पर स्टे दिया गया है के अतिरिक्त सभी स्थानों से अधिकांश कार्यवाही नगर परिषद द्वारा संपन्न की जा चुकी है। फिलहाल इन स्थानों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान अथवा मार्ग पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाही की जानी प्रस्तावित नहीं है।

सूने मकान से 10 लाख के जेवर व नगदी चोरी

चोरी की घटना के बाद पुलिस ने पूछताछ की।

- भीलवाड़ा शादी समारोह में गये हुए थे परिवारजन

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर के वार्ड नम्बर 20 कायस्थ मौहल्ला में मंगलवार की रात चोरों ने रैकी कर पुलिस की रात्रि गश्त के दावों को ठेंगा दिखाते हुए सूने मकान के ताले तोड़ 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभुषण व 60 हजार से अधिक की नगदी को चुरा लिया।

ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सहित चोरी की वारदात में उपयोग लिये गये संसाधन तक उपलब्ध करवाने के बावजूद बीते 6 माह में एक भी चोरी की वारदात का खुलासा नहीं किया जा सका। इसी प्रकार भीलवाड़ा शादी समारोह में शरीक होने गये प्रदीप चन्द पुत्र पदम चन्द ठेग्या के सूने मकान को मंगलवार की रात को चोरों निशाना बनाते हुए मुख्य दरवाजे व अलमारी के ताले तोड़ तकरीबन 14 तोला सोना व डेढ किलो चांदी के आभुषण सहित 60 हजार रूपये से अधिक की नगदी चुरा ली। वारदात का पता बुधवार को शादी से लौटने पर गेट का ताला टूटा होने व कमरों में सामान बिखरा होने पर लगा। सूचना पर एएसआई भागचन्द चौधरी, रामनारायण गुर्जर, एमआईयू टीम के साथ वारदात स्थल पर पहुंच कर फिंगर प्रिन्ट सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाये। डीवाईएसपी सुशील मान ने भी मौके पर पहुंच पीड़ित मकान मालिक व परिवारजनों से घटना की जानकारी लेकर चोरी की वारदात का खुलासा करने का विश्वास दिया।

इंजन में खराबी से सवा घंटा खड़ी रही रानीखेत एक्सप्रेस

पाली, (निसं)। इंजन में खराबी आने से पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन में बुधवार को रानीखेत एक्स्प्रेस करीब सवा खड़े खड़ी रही। जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंजन में खराबी के कारण मारवाड़ जंक्शन में बुधवार सुबह करीब सवा घंटा ट्रैक पर रानीखेत एक्सप्रेस (15013) खड़ी रही। इससे जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी लेट हो गई। घटना के चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों और रेलवे फाटक बंद होने से मारवाड़ जंक्शन के लोगों को परेशानी हुई।

मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 10:25 पर पहुंचने वाली रानीखेत एक्सप्रेस के इंजन में पॉवर लॉक की समस्या हो गई। जिससे ट्रेन पीर बाबा दरगाह के पास ट्रैक पर खड़ी हो गई। इससे पाली फाटक को भी बंद करना पड़ा। रेलवे तकनीकी टीम ने पहुंच खराबी दुरुस्त की। उसके बाद ट्रेन को रवाना किया जा सका। यहां करीब सवा घंटे ट्रेन खड़ी रही। सुबह करीब पौने बाहर बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

जोधपुर-रतलाम भी हुई लेट:- रानीखेत एक्सप्रेस के खड़े रहने के चलते जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी आगे नहीं बढ़ सकी। ऐसे में करीब डेढ़ घंटे तक जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी खड़ी रही। जिसके चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मारवाड़ जंक्शन निवासी पार्षद कल्पेश जैन ने बताया कि ट्रेन खड़ी रहने से करीब एक घंटे से ज्यादा पाली रेलवे फाटक बंद रही। जिससे फाटक के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। लोगों को परेशान होना पड़ा क्योंकि अंडरब्रिज फाटक से करीब दो किलोमीटर दूर है। ऐसे में श्री सांई दर्शन सेवा संस्थान के अध्यक्ष देवेन्द्र मीणा और उनकी टीम में वाहन चालकों को अंडरब्रिज जाने के लिए माइक लगाकर अनाउंस किया।

बेटे ने पिता की लाठी से मार की हत्या

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम बाड़ा जेरेकिला में बीती रात्रि को जमीनी मामले में एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी से मार गंभीर रुप से घायल कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे के करीब वृद्ध नाथूलाल बैरवा उम्र 55 साल निवासी ग्राम बाड़ा जेरेकिला को उसके बेटे योगेन्द्र बैरवा ने लाठी से पिटकर घायल कर दिया, जिसको गम्भीर अवस्था में सआदत अस्पताल लाया गया था, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रैफर किया, लेकिन चाकसू के पास पहुंचते उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद उसका शव टोंक लाकर सआदत अस्पताल की मोर्चरी में लाकर रखा गया।

पुलिस थानाधिकारी सदर घनश्याम मीणा ने बताया कि घटना के समय दोनों पिता-पुत्र अकेले थे। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या के आरोपी पुत्र जोगेंद्र को डिटेन कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी टोंक सालेह मोहम्मद भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम के जरीये मौके से साक्ष्य जुटाए गए। इस मामले में परिजनों के अनुसार मृतक नाथू लाल ने कुछ साल अपनी 3 बीघा जमीन बेची थी जिसके रूपयों को लेकर पिता-पुत्र में अक्सर विवाद हुआ करता था। इस मामले में आरोपी बेटे योगेन्द्र बैरवा को हिरासत में लेककर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नकाबपोश बदमाशों ने तीन मिनिट में बैंक से सात लाख नब्बे हजार रुपये लूटे

- बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए

बैंक लूट की घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाए।

मंडावरी लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना क्षेत्र की बिलोना कला ग्राम स्थित राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक में बुधवार दिन दहाड़े सुबह करीब ग्यारह बजे अज्ञात तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों द्वारा डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया।

फिल्मी स्टाइल में बेखौफ घुसे तीन बदमाश महज तीन मिनट में बैंक में डकैती की वारदात को अंजाम देकर करीब सात लाख नब्बे हजार रुपयों को लूट कर फरार हो गए। बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए। उनमें से कंधे पर बैग टांके एक बदमाश ने बैंक के मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाल लिया एवं दो अन्य बैंक के अंदर दाखिल हो गए। सभी लुटेरे बदमाशों के पास बंदूक आदि हथियार मौजूद थे। दो लुटेरों द्वारा बैंक में दाखिल होते ही दो हवाई फायर किए, हवाई फायर करने के बाद बैंक के कर्मचारी घबरा गए। इसके बाद बदमाशों ने बंदूक दिखाकर केशियर से स्ट्रांग रूम चलकर तिजोरी खोलने के लिए कहा गया। हालांकि बैंक में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा काफी विरोध भी जताया गया लेकिन बंदूक की नोक पर केशियर को बैंक स्ट्रांग रूम में ले जाकर तिजोरी को खुलवाया एवं उसमें रखी पूरी नगरी को खुद के साथ लाए एक बैग में भरकर जाते समय दोबारा फायर कर वहां से दहशत फैलाते हुए बाइक पर सवार हो फरार हो गए।

अज्ञात लुटेरों द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देने की पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक अरविंद गोयल मौके पर पहुंचे एवं घटना को लेकर जानकारी ली। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल द्वारा भी बैंक स्थित घटनास्थल का जायजा लिया एवं एमओवी एफएसएल टीम द्वारा एकत्रित करवाने का कार्य भी करवाया।

वहीं इस डकैती की घटना को अंजाम देने आया एक युवक बाहर गेट पर बंदूक लेकर पहरेदारी कर रहा था इसी दौरान वहां निकले एक ग्रामीण को वहां से जाने को कहा इस पर ग्रामीण खुद के घर के सामने जाकर खड़ा हो गया जहां लुटेरे द्वारा ग्रामीण पर भी फायर किया गया जिसमें ग्रामीण भी बाल-बाल बच गया। वहीं इस लूटपाट की घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा मंडावरी थाना क्षेत्र में विगत कई दिनों से लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाएं एवं लूटपाट चोरी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए थाना अधिकारी रामपाल मीणा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि मौजूदा थानाधिकारी रामपाल मीणा के कार्यकाल में मंडावरी थाना क्षेत्र में लूटपाट चोरी आदि की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

वहीं बैंक के शाखा प्रबंधक नेमीचंद मीणा द्वारा इस लूटपाट की वारदात को लेकर मंडावरी थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं मामले को दर्ज कर पुलिस की विभिन्न टीमें अज्ञात लुटेरों की तलाश में सीसीटीवी फुटेजो एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

प्रवेश-पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा संरक्षण अधिकारी (महिला अधिकारिता विभाग) परीक्षा-2022 के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए गए हैं। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक तथा एसएसओ पोर्टल में लॉगिन कर इन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि उक्त परीक्षा जयपुर जिला मुख्यालय पर 28 जनवरी 2023 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं।

स्पाइसजेट एयरवेज के खिलाफ परिवाद पर दो लाख का जुर्माना

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम जोधपुर ने एक मामले में अप्रार्थी स्पाइसजेट एयरवेज लिमिटेड के खिलाफ पेश परिवाद को स्वीकार कर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। आयोग अध्यक्ष चंद्रकला जैन, सदस्य राजराम सर्राफ व सदस्या अफसाना खान ने परिवादी गोकुलेश बोहरा का परिवाद स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।

परिवादी की ओर से अधिवक्ता सीपी चौहान ने बताया कि परिवादी गोकुलेश बोहरा का विवाह 27 नवम्बर 2015 को हुआ था। हनीमून के लिए पैकेज बुक कराया था, जिसके लिए फ्लाइट बुक करानी थी। अप्रार्थी संख्या दो स्पाइसजेट की मुम्बई से कोच्चि के लिए फ्लाइट है, जो आपको वहां पहुंचा देगी। परिवादी ने जोधपुर से मुम्बई के लिए 13,990 रुपए और मुम्बई से कोच्चि के लिए दो टिकट के लिए 13,388 रुपए लिए गए।

कंपनी ने कहा फ्लाइट निकल गई:- परिवादी व उसकी पत्नी 19 दिसंबर 2015 को औपचारिकताएं पूरी कर मुम्बई रवाना हुए, लेकिन मुम्बई पहुंचने पर एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास के लिए स्पाइसजेट वालों ने परिवादी को मना कर दिया। कंपनी ने कहा कि आज की फ्लाइट निकल गई है। इस पर परिवादी मुम्बई में होटल में रुके, जिसका खर्चा भी हुआ। कोर्ट ने दो माह में परिवादी को खर्चे-हर्जे व क्षतिपूर्ति तथा विधिक व्यय के लिए दो लाख अदा करने के निर्देश दिए।

ख्वाजा साहब को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चढ़ाई चादर

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में चादर पेश कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी

अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर पेश की।

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब के सालाना उर्स के मौके पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी के नेतृत्व में पेश की कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी। खादिम सैयद अफशांन चिश्ती ने चादर पेश कराई। दरगाह में चादर पेश करने के दरगाह के मुख्य द्वार पर पीएम मोदी का संदेश दरगाह कमेटी के सदर शाहिद हुसैन रिजवी ने पढ़कर सुनाया। चिश्ती ने सभी की दस्तारबंदी कर प्रधानमंत्री के लिए ताबर्रुक भेंट किया। इस अवसर पर सैयद आदिल हुसैन, सैयद सलीम आफ़ताब,सैयद इमरान चिश्ती, सैयद अमान चिश्ती सैयद वज़ीर चिश्ती भी साथ रहे। अंजुमन सैयद ज़ादगान के सदर अलहाज गुलाम किब्रिया ने सभी दुआ की। सैयदज़ादगान की ओर से अंजुमन अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष ने सभी की दस्तारबंदी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में उर्स के अवसर पर विश्व भर में ख्वाजा साहब के अनुयायियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। संदेश में उन्होंने कहा कि दुनिया को प्रेमए सौहार्द और बंधुत्व का संदेश देने वाले महान सूफी संत के वार्षिक उर्स पर दरगाह शरीफ पर चादर भेजते हुए मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत में विभिन्न पंथों मान्यताओं और आस्थाओं का सद्भावपूर्ण सह अस्तित्व हमारे देश की समृद्ध विरासत है। हमारे देश में संतोंए पीरों व फकीरों ने शांति एकता और सद्भाव के पैगाम के जरिए राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने बाने को सदैव मजबूती प्रदान की है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भारत की महान आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतीक हैं। गरीब नवाज द्वारा की गई मानवता की सेवा निरंतर पीडितों को प्रेरणा देती रहेगी।

अनेकता में एकता हमारे देश की खूबसूरती है और सालाना उर्स विभिन्न मान्यताओं एवं आस्था के लोगों द्वारा इसी भावना को संजोते और सहजते हुए इसका उत्सव मनाने का अवसर है। आजादी के अमृत कालखंड में देश सामूहिक सामर्थ के जरिए प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए आगे कदम बढ़ा रहा है। मुझे विश्वास हैं कि सामूहिक सामर्थ के जरिए देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, दरगाह कमेटी के अध्यक्ष सैयद शाही हुसैन रिजवी, भाजपा सांसद भागीरथ चौधरी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 को मालासेरी आएंगे

- भगवान देवनारायण की जयंती महोत्सव में आएंगे मोदी

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी सुबह 9.20 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होकर सुबह 10.30 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से 10.35 बजे हेलीकॉप्टर से मालासेरी के लिए रवाना होंगे। वे सुबह 11.25 बजे मालासेरी पहुंचेंगे। वे यहां पर भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती के मौके पर आयोजित अवतरण महोत्सव में भाग लेंगे। यहां से दोपहर 12.55 बजे हेलीकॉप्टर से वापस उदयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होकर दिल्ली जाएंगे। आसींद क्षेत्र के मालासेरी में 28 जनवरी को पीएम की प्रस्तावित यात्रा से पहले ही भगवान देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी का स्वरूप बदल गया है। यहां गुर्जरों का मेला-सा लगने लगा है।

1100 महिलाओं की कलश यात्रा के साथ जन्मोत्सव का आगाज हुआ था, अब भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती पर 1100 किलो पीले चावल और यहां की पावन मिट्टी भेजकर देशभर में गुर्जर समाज को न्योता भेजा जा रहा है। इस धार्मिक यात्रा के बहाने मोदी गुर्जरों को साधने आ रहे हैं। मोदी की सभा के लिए 50 बीघा का मैदान और 5 हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। मोदी यहां पर धार्मिक टूरिस्ट सर्किट की घोषणा कर सकते हैं। मोदी के कार्यक्रम के प्रभारी खुद केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय के अधिकारियों की टीम कई बार मालासेरी का दौरा कर चुकी है। ऐसे में इस दौरे को लेकर काफी उम्मीदें हैं।

एसीबी ने उप निदेशक कृषि के खिलाफ दर्ज की शिकायत

- उप निदेशक अजयसिंह शेखावत के चार ठिकानों पर एसीबी कर रही सर्च

जयपुर। एसीबी मुख्यालय की ओर से उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग अजयसिंह शेखावत के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति का मामला दर्ज कर किया गया। मामला दर्ज होने पर एसीबी की टीमें शेखावत के चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की इंटेलिजेंस इकाई ने शिकायत मिलने पर शेखावत के जयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर कार्यालय में स्थित चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय की ओर से अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर के खिलाफ शिकायत का सत्यापन किया गया। जिस में आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का मामला सामने आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। एडिशनल एसपी आहद खान के नेतृत्व में ब्यूरो की टीमें जयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर तथा इन्टेलिजेंस यूनिट के सहयोग से विभिन्न टीमों का गठन किया गया। आज सुबह से ही शेखावत के 4 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की गई। अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर एवं उनकी पत्नी किशन कंवर द्वारा अनेक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का अनुमान हैं। जो उनकी वैध आय से अधिक है। उपनिदेशक द्वारा अपनी अवैध आय को जयपुर, चित्तौड़गढ़ में आवासीय, व्यावसायिक भूखण्डों, फ्लैटों एवं म्यूचल फण्ड इन्श्योरेन्स आदि में निवेश करना सामने आया हैं।

एसीबी के एडीजी दिनेश एम.एन. के निर्देशन में ए.सी.बी. की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर सर्च जारी है। जिसमें और अधिक परिसम्पत्तियों का पता चलने की संभावना है। आरोपी के विरूद्ध आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का प्रकरण पीसी एक्ट में दर्ज गया हैं। आरोपी के ठिकानों पर कई दस्तावेज मिले हैं जिनकी जांच की जा रही हैं।

पर्यावरण स्वीकृति आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आशियाना एकांश खसरा सं. 1790, 1791/1, 1791/2, 1792, 1793/1, 1793/2, 1794 व 1795 ग्राम-भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान जिसका भूखण्ड क्षेत्र 34816.61 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat-8a(21671)/2021-22 दिनांक 16.01.2023 तथा पहचान संख्या EC23B038RJ138855 दिनांक 20.01.2023 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट http://www.parivesh.nic.in पर भी उपलब्ध है

सार-समाचार

विद्यार्थी राज्य स्तर पर प्रस्तुत करेंगे ड्रामा

पिण्डवाडा, (निसं)। समीपवर्ती क्लस्टर लेवल इंग्लिश मॉडल स्कूल झाडोली के विद्यार्थी राज्य स्तर पर ड्रामा की प्रस्तुति देंगे। झाडोली स्थित स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ने कुंभलगढ़ में आयोजित इंग्लिश ड्रामा कंपटीशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य श्याम सुंदर व्यास ने बताया कि एक्टिविटी विंग प्रभारी और सामाजिक विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक मुबारक हुसैन के नेतृत्व में मात्र दो दिनों में विद्यार्थियों ने ड्रामा स्क्रिप्ट लिख कर अभ्यास किया था। क्लस्टर स्तर पर 20 मिनट्स के अंग्रेजी ड्रामा में विद्यार्थियों ने अत्यंत सुंदर प्रस्तुतिकरण देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया है। ड्रामा टीम में देवांश सैन, रजत भारद्वाज, निशा सुथार, हिमांशी लखारा, खुशाल सोनी, गौतम भाटी तथा रिया गहलोत सम्मिलित हैं। विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव पर सम्मानित करने की घोषणा करते हुए प्रधानाचार्य ने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्य स्तर पर भी विद्यालय की ड्रामा टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।

जल महत्व जागरूकता सभा आयोजित

बाप, (निसं)। ग्रामीण विकास विज्ञान समिति उप केंद्र बाप की ओर से संचालित हेल्पेज इंटर नेशनल परियोजना के तहत जल का महत्व जागरूकता सभा का आयोजन अणदासर में बुधवार को सम्पन्न हुई। संदर्भ व्यक्ति अखेराज ने उपस्थित समुदाय से कहा कि जल का महत्व हमें समझना होगा। जल प्रकृति की देन है। राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में औसत से कम वारिश होती है। हमें जल को जीवन का अंग समझना होगा। जल के अपव्यय को रोक कर हम पवित्र कार्य कर सकते है। जल की बर्बादी रुके इसके लिए जागरूकता जरूरी है। आमजन को जल का सदुपयोग करने की अपील की। फील्ड सुपरवाईजर भुराराम पंवार ने कहा कि तालाब, बावडिया हमारी सामलात संपति है उसकी देखभाल हमे करनी है। सभा में शेरखान, रेशम खा, भाई खां, सफी मोहम्मद, हबीबो, सरादीन, अमरदीन, अमीरदीन, बिस्मिल्लाह, मुबारक, रईस दीन आदि मौजूद रहे।

मतदाता दिवस का आयोजन

पिण्डवाडा, (निसं)। स्थानीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. कन्हैयालाल भाटीया ने छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्तव के विशय में जागत किया और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वोट के मूल्य के बारे में जानकारी दी। साथ ही सहायक प्राचार्य महेन्द्र कुमार वर्मा, सुखदेव देवासी, समेरदान एवं पुरूशोत्त ने भी अवने विचार प्रकट किये एवं सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलायी।

कैवायमाता मंदिर का वार्षिकोत्सव 2 से

सायला, (निसं)। निकटवर्ती बावतरा स्थित दहिया राजवंश की कुलदेवी कैवायमाता मंदिर का बारहवां वार्षिकोत्सव 2 व 3 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 2 फरवरी को रात्रि भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें वार्षिक चढावें भी बोले जाएंगे। वही 3 फरवरी को अभिजीत मुहुर्त में लाभार्थी परिवार द्वारा अमर ध्वजा चढाई जाएगी। इस मौके महाप्रसादी का आयोजन होगा। साथ ही वार्षिकोत्सव के अवसर पर नाहर ब्लड बैंक भीनमाल द्वारा रक्तदान षिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें समाजबंधुओं को स्वैच्छिक रक्तदान करने का आग्रह किया है।

पठान फिल्म का विरोध आज

जालोर, (कासं)। शिव सेना जालोर के जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित के नेतृत्व में जालोर के एकमात्र सिनेमा हॉल में रिलीज हुई पठान मूवी का गुरूवार को विरोध प्रदर्शन करेगी। जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बॉलीवुड फिल्म पठान के निर्माण में कुछ सीन को लेकर शिवसेना ने पहले भी आपत्ति दर्ज करवाई थी, उसके बावजूद भी फिल्म में उन आपत्तिजनक सीन को लेकर कोई कटोती नहीं की गई। इसके चलते शिव सैनिकों की भावनाएं आहत हुई है। केसरिया रंग हमारी स्वाभिमान तथा हिन्दू धर्म की आस्था का प्रतीक है। इसके कपडों के उपयोग को लेकर दुरूपयोग किया गया है। इसको लेकर इस फिल्म के विरूद्ध आपत्ति दर्ज करवा रहे है। साथ ही जालोर सिनेमा संचालक को शिव सेना ने सूचित किया की पठान फिल्म का सिनेमा हॉल से प्रदर्शन बन्द किया जायें। अन्यथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रथम शो पर शिवसेना कार्यकर्ता सिनेमा हॉल पहुँचकर सिनेमा हॉल को बन्द कर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

डॉ.विश्नोई व डॉ.मोदी की टीम ने एक दिन में दो ऑपरेशन किए

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के एपेक्स हॉस्पिटल एण्ड ऑर्थोपेडिक सेंटर जालोर में पदस्थापित हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विश्नोई और डॉक्टर विश्वास मोदी की टीम द्वारा एक ही दिन मे दो मरीजों के कुल्हा प्रत्यारोपण का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया है।

अस्पताल के प्रबंध निदेशक गोपाल संदेशा ने बताया कि अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने जालोर निवासी 65 वर्षीय पोनी देवी व सायला निवासी 89 वर्षीय राजाराम के कुल्हा प्रत्यारोपण का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर दोनों के कुल्हे में नए कृत्रिम बाल लगाए है।

कुल्हा प्रत्यारोपण का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर विश्नोई ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से दोनों मरीजों के कुल्हे में अत्यधिक दर्द रहता था। जिस पर एक्स-रे रिपोर्ट में यह बात पता चली कि दोनों मरीजों के कुल्हे में घिसावट हो जाने के कारण दर्द होना शुरू हुआ।

अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाओं व विशेषज्ञों की बेहतरीन टीम ने कुल्हा प्रत्यारोपण का सफलतापूर्वक ऑपरेशन करते हुए नई बॉल को खुले में प्रत्यारोपित कर मरीज को चिकित्सकीय राहत प्रदान की। डाक्टर विश्नोई ने बताया कि कुल्हे का प्रत्यारोपण एक आर्थोप्लास्टिस शल्य चिकित्सा है। जिसमे रोग ग्रस्त कोर्टिलेज और कुल्हे के जोड की हड्डी को निकालकर उसके स्थान पर नकली जोड लगाया जाता है। जिसे प्रोस्थेसिस कहते है। आमतौर पर मरीज का कुल्हे के प्रत्यारोपण की सिफारिश तब की जाती है, जब उसके कुल्हे के जोड घिस जाते है या क्षतिग्रस्त हो जाते है कि उनकी वजह से उसके चलने फिरने मे असुविधा होती है तथा साथ ही बहुत तेज दर्द होता है। तब सामान्य तौर पर चिकित्सक के परामर्श से ली गई दर्द निवारक दवाओं या फिजिकल थेरेपी से दूर नहीं होता है। तब हिप रिप्लेसमेंट या कुल्हा प्रत्यारोपण की सलाह दी जाती है। कुल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी के दौरान कुल्हे के सामने या उसके बाजू में एक चीरा लगाते है।

बीमार या क्षतिग्रस्त कुल्हे को निकालकर उसके स्थान पर एक कृत्रिम जोड लगा दिया जाता है। आमतौर पर कुल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी में लगभग 60 से 90 मिनट का समय लगता है। एपेक्स हॉस्पिटल एण्ड ऑर्थोपेडिक सेंटर जालोर में हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विश्वास मोदी ने बताया कि एपेक्स हॉस्पिटल एण्ड ऑर्थोपेडिक सेंटर पश्चिमी राजस्थान के बेहतरीन अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण अस्पतालों में शुमार है। इसमें घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण के साथ-साथ कमर, गर्दन व घुटने का दर्द, रीड की हड्डी का ऑपरेशन, कुल्हे की जांच एवं सर्जरी, गांठिया वादी रोग, आनुवांशिक रोगों का इलाज, फ्लोराइड से प्रभावित हड्डियों, हाथों एवं पैरो मे जन्मजात सूनापन एवं टेडापन, इलिजारों सर्जरी द्वारा हड्डियों को लम्बा करना, नए एवं पुराने बिगडे हुए फ्रेक्चर का सफल इलाज यहां किया जाता है।

मेले का समापन

जोधपुर, (नि.सं.)। श्री यादे माता मंदिर झालामंड जोधपुर में आयोजित हो रहे आठ दिवसीय भागवत कथा योग्य और विशाल मेले का समापन समारोह श्रीयादे माता मंदिर झालामंड में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित थे।

प्रोफेसर प्रजापति ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि नशा मुक्त और स्वस्थ समाज की स्थापना उत्तम राष्ट्र निर्माण की सबसे पहली सीढी है। यदि मनुष्य स्वस्थ होगा तो वह देश के निर्माण में पूर्ण मनोयोग से अपना योगदान दे पाने में सक्षम होगा। उन्होंने समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित जनसमूह में वरिष्ठजनों का आव्हान करते हुए कहा कि वे नई पीढी को नशे से बचाने और नियमित योगक्रियाएं एवं भारतीय परंपराओं के अनुसार आदर्श जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित करते हुए स्वस्थ समाज बनाने में सक्रिय सहयोग करें।

ज्ञातव्य है कि कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से 17 से 24 जनवरी 2023 तक श्री यादे माता धाम झालामंड, जोधपुर में आयोजित मेले में आने वाली जनता हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर शिविर लगा कर निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं निशुल्क औषध वितरण की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई।

शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकार में भी रहे आगे : हर्षुल अग्रवाल

रेवदर, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हाथल व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेलवाडा में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन कांग्रेस जिला प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल के मुख्यातिथ्य, जिला क्रीडा परिषद सदस्य एवं उपसरपंच डूंगरसिंह सेरवा की अध्यक्षता व सरपंच पदमाराम के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

वार्षिकोत्सव समारोह को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिला प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल ने कहा कि इंसान के जीवन को किस ओर लेकर जाना है, इसका पहला पायदान विद्यालय होता है। विद्यार्थी को शिक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े रहने की भावना व सीख विद्यालय से ही मिलती है और राजकीय विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजनों से विद्यार्थी के जीवन में ऐसे भाव बनते है।

प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल ने ऐसे आयोजनों को लेकर राज्य सरकार की सकारात्मक पहल का गुणगान करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में प्रदेश में ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन करवाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की आमजनता की प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर एक पहचान देने का काम किया है। समारोह को संबोधित करते हुए जिला क्रीडा परिषद सदस्य एवं उपसरपंच डूंगरसिंह सेरवा ने शिक्षा से जुड़कर रहने व क्षेत्र, समाज व परिवार का नाम रोशन करने का आ ह्वान किया। प्रधानाचार्य तुहीराम वैष्णव, संस्थाप्रधान बद्रीप्रसाद ने भी विद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्य स्तर पर ओलम्पिक में भाग लेने वाले तीन छात्र छात्राओं को कांग्रेस जिला प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल ने नकद परितोषित प्रदान किया।

इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष मोटाराम, जेठाराम चौधरी, प्रेमाराम चौधरी, स्वरूपसिंह, रावताराम कोली समेत सैकड़ो गणमान्य नागरिक व स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

मतदाता दिवस मनाया

जालोर, (कासं)। नर्सिंग छात्र संगठन जालोर ने बुधवार को संस्कार एजुकेशन सभा घर जालोर में मतदान दिवस मनाया गया।

जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार मेघवाल ने बताया कि छात्रों के बीच जो देश के युवा है। उनकी मतदान के प्रति सजगता को लेकर विचार विमर्श किये गये। जिसमे मतदान के महत्व को लेकर प्रत्येक व्यक्ति वो चाहे आर्थिक रूप से, राजनीतिक रूप से या सामाजिक रूप में खुद को कई भी देख सकता है। लेकिन उनके सभी के वोट की कीमत समान होती है, हर वोट का अपना महत्व होता है। हमे किसी भी हाल में वोट देने जाना चाहिए।

समारोह का हुआ आयोजन

रेवदर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दोलपुरा में मंगलवार को वार्षिकोत्सव, पुरस्कार वितरण एवं भामाशाह सम्मान समारोह-शुभम् का भव्य आयोजन ग्राम पंचायत दोलपुरा सरपंच सुशीला देवी के मुख्य आतिथ्य, प्रधानाचार्य जसवंत सिंह की अध्यक्षता में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष जीतू गर्ग, जिला महासचिव सतीश मालवीय, जिलासचिव भरत देवपाल, आहोर ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंघल, दिलीप गर्ग सहित उपस्थित थे।

सार-समाचार

भामाशाह ने माइक सेट दिया

गुड़ामालानी, (निसं)। विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्य मों में हर समय माइक सेट की जरूरत होती रहती है। ऐसे में भामाशाह टीकाराम पटेल के द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पैरार्डाइस इंग्लिश मीडियम विद्यालय में माइक सेट भेंट किए। व्याख्याता वेहनाराम सोनगरा ने बताया कि भामाशाह टीकाराम पटेल जो भामाशाह होने के साथ समाजसेवी भी है। हर समय समाज सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। भामाशाह टीकाराम पटेल का विद्यालय के प्रधानाचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधानाचार्य नारायणदास स्वामी ने कहा कि दान हर कोई नहीं कर सकता है। अच्छे कर्मो होने से दान दिया जाता है। माईक सेट भेट करने के दौरान प्रधानाचार्य नारायणदास स्वामी, नगर विधालय प्रधानाचार्य देदाराम पांगी, व्याख्याता वेहनाराम सोनगरा,पीटीआई मोहनलाल गोयल, किशोर चौधरी,कमलेश पटेल,एम डी गणपतलाल,सांवलाराम,मोतीराम सहित विद्यालयों के स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे।

आदर्श विद्या मंदिर में मनाई बसंत पंचमी

जालोर, (कासं)। आदर्श विद्या मंदिर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जालोर में बुधवार को बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती माता के मूर्ति की स्थापना यज्ञ व मंत्र उच्चारण के साथ की गई। यज्ञ का शुभारंभ पंडित अशोक - दिलीप द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी विद्यालय के अभिभावक सूजा राम सोलंकी, कमलेश सोलंकी, जिला सचिव अजय कुमार, प्रधानाचार्य बीना शर्मा द्वारा यज्ञ की पूर्णाहुति दी गई। मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार गर्ग ने बताया कि बसंत पंचमी का दिन सरस्वती माता का सबसे बड़ा दिन है। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में प्रीति नागर, मंजू परमार, विशनाराम, सुनीता गुप्ता, मयंक, स्नेहा आदि उपस्थित रहे।

पांच प्रतिष्ठानों को किया सीज

जोधपुर, (कासं)। बकाया नगरीय विकास कर जमा नहीं कराने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को नगर निगम उत्तर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सीज किया है। आयुक्त अतुल प्रकाश ने बताया कि नगर निगम उत्तर की ओर से बकायेदारों को लगातार नोटिस जारी किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भी कई बकायेदार नोटिस की पालना नहीं कर रहे हैं। कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भी नगरीय विकास कर जमा नहीं कराने पर राजस्व अधिकारी रणवीर देथा की टीम ने बुधवार को नई सड़क क्षेत्र में स्थित 5 प्रतिष्ठानों को सीज करने की कार्रवाई की है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वह समय पर बकाया नगरीय विकास कर जमा करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा ना हो। आयुक्त उत्तर अतुल प्रकाश से बताया कि नगरीय विकास कर नहीं भरने वालों के खिलाफ यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा।

मेट कार्मिक से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित जाजीवाल खिचियान गांव में मेट कार्मिक से मारपीट करने और राजकार्य में बाधा डालने का केस दर्ज हुआ है। इस बारे में बनाड़ पुलिस ने नामजद लोगों के खिलाफ जांच आरंभ की है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि जाजीवाल खिंचियान के नरेगा मेट चेतन जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 23 जनवरी को वह नरेगा कार्य पर ड्यूटी कर रहा था। तब श्रवणराम पुत्र जीयाराम माचरा और उसके आधा दर्जन साथी आए और उसके साथ गाली गलोच और मारपीट कर सरकारी नरेगा का मस्टरोल को फाड़ कर सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाया।

जेडीए में मनाएंगे गणतंत्र दिवस

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष, जोविप्रा कैलाश चन्द मीणा द्वारा जेडीए कार्यालय भवन में आज प्रात: 8:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। झण्डारोहण के पश्चात् तिरंगे को सलामी देते हुए राष्ट्रगान होगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को मिष्ठान वितरित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के समारोह के अवसर पर प्राधिकरण अभियन्ताओं द्वारा कार्यालय भवन व कार्यक्रम स्थल की सफाई करवाकर रंगरोगन व सुंदर रंगोली से सुसज्जित किया जाकर कार्यालय भवन को रोशनी से जगमग किया गया है।

सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर पहुंचे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे।

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे और 29 जनवरी तक रहेंगे।

जयपुर प्रांत के प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो ने बताया कि डॉक्टर भागवत 26 जनवरी को केशव विद्यापीठ जामडोली में विद्यालय के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे और प्रात:ध्वजारोहण करेंगे।

इसी दिन दोपहर में संघ प्रमुख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कार्यकर्ता सपरिवार उपस्थित रहेंगे। 27 जनवरी को वे जयपुर के संघ कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

इसी प्रकार 28 व 29 जनवरी को भी संघ के विभिन्न स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठकों में शामिल होंगे। इस दौरान संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा करेंगे।

बैठकों में समाज सशक्तिकरण की दिशा में चलने वाली गतिविधियों यथा कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता और पर्यावरण पर भी मंथन होगा।

उल्लेखनीय है कि सरसंघचालक का यह नियमित प्रवास है, जो दो वर्ष में एक बार प्रत्येक प्रांत में होता है।

पिछले वर्ष चित्तौड़ प्रांत के उदयपुर में सरसंघचालक का प्रवास हुआ था। देशभर में संघ के 45 प्रांत है, इसी प्रकार राजस्थान क्षेत्र में जयपुर, चित्तौड़ और जोधपुर प्रांत है। प्रवास के क्रम में प्रांत को वर्ष में एक बार सरसंघचालक और दूसरी बार सरकार्यवाह का प्रवास मिलता है। इस दौरान समाज सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे विभिन्न कार्यों पर चर्चा होगी।

चिरंजीवी योजना का किया बहिष्कार

जालोर, (कासं)। सम्पूर्ण राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का कार्य बहिष्कार कर जिला कलेक्टर जालोर निशांत जैन को ज्ञापन सौपा। प्रदेश अध्यक्ष हितेश राठौड ने बताया कि पिछले एक वर्ष से यूनियन द्वारा हमारी मांगो के सम्बन्ध में ज्ञापन के माध्यम शान्ति पूर्ण तरीके से सरकार तक और विभाग तक हमारी मांग पहुंचाई गई, फिर भी सरकार द्वारा चिरंजीवी में कार्यरत कार्मिको के हित में कोई फेसला नही लिया गया। वही वर्तमान में विभिन्न योजनाओ में कार्यरत संविन्दा कार्मिको के नियमितकरण के क्रम में आरसीएचसीपी 2022 लागू किया गया। लेकिन सरकार एवं विभाग द्वारा स्वास्थ्य मार्ग दर्शकों को इसमें भी शामिल नही किया गया। जिसके विरोध में प्रदेश यूनियन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जब तक विभाग द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में कार्यरत स्वास्थ्य मार्गदर्शको की संविदा एक्ट 2022 में शामिल करने से समन्धित मांग पूरी नही की जाती है, तब तक राजस्थान के समस्त जिलो में सरकारी अस्पतालो एवं मेडिकल कॉलेजो में कार्यरत स्वास्थ्य मार्गदर्शक 27 जनवरी से चिरंजीवी का कार्य बहिष्कार करेंगे।

आज से शुरू होगा कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान

- केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ तैयार की गई चार्जशीट को घर-घर पहुंचाएगी कांग्रेस

जयपुर, (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा के फॉलोअप प्रोग्राम के रूप में 26 जनवरी से चलाए जाने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के जरिए कांग्रेस देश के 6 लाख गांव, 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 10 लाख मतदान बूथों में ब्लॉक अध्यक्षों और अन्य नेताओं की सहायता से केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट बांटेगी।

भ्रष्ट जुमला पार्टी नाम से तैयार की गई चार्जशीट को कांग्रेस जनता के बीच लेकर पहुंचेगी, जिसमें सूट-बूट की लूट के तहत देश के 10 प्रतिशत अमीरों के पास देश की 64 प्रतिशत और 50 प्रतिशत आबादी के पास 6 प्रतिशत संपत्ति होना, किसानों की कर्ज माफी नहीं होकर अरबपतियों को 72 हजार करोड़ की कर्ज माफी, खास मित्रों को 30 प्रतिशत बंदरगाह, एयरपोर्ट, बिजली उत्पादन और कोयले की खदान देना समेत कई बिंदु शामिल हैं।

इसके अलावा मोदी की छवि चमकाने पर टैक्स पेयर का 10 हजार करोड़ का प्रचार पर खर्चा, 90 प्रतिशत गुप्त इलेक्टोरल बांड से भाजपा की सरकारी हफ्ता वसूली, पार्टी भाई-भतीजा जनता पार्टी बनी, जिसमें राजनीतिक घरानों के 20 मंत्री, 14 एमपी और 31 एमएलए शामिल हैं। इसके साथ ही रोजगार, भुखमरी समेत कई बिंदु इस चार्जशीट में रखे गए हैं। कांग्रेस इसी चार्जशीट में केंद्र सरकार को चीन के मामले में भी घेरते दिखाई देगी, जिसमें उन्होंने साफ लिखा है कि भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीन का कब्जा है। वहीं, हंगर इंडेक्स में पाकिस्तान से भी नीचे है।

राजस्थान में भी 26 जनवरी से कांग्रेस की ओर से हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के जरिए राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता हर ब्लॉक पर हर मतदान बूथ तक पहुंचेंगे। इस अभियान के जरिए कांग्रेस पार्टी की ओर से आम जनता को घर-घर जाकर केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों की चार्जशीट, राहुल गांधी का आम जनता के लिए संदेश, राजस्थान सरकार के जनता के लिए किए गए कामों की सीट के साथ ही हर घर में राहुल गांधी की तस्वीर लगा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का स्टिकर लगेगा।

इस अभियान के लिए राजस्थान के प्रभारी बनाए गए आरसी खूंटिया भी अभियान के लिए जयपुर पहुंचेंगे, जो 26 जनवरी को अजमेर, 27 को भीलवाड़ा, 28 को चित्तौड़गढ़, 29 को उदयपुर और 30 जनवरी को राजसमंद में कार्यकर्ताओं के साथ हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 27 जनवरी को अजमेर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और आम जनता संवाद करेंगे। अगले दिन 28 जनवरी को राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जयपुर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। राजधानी जयपुर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत कांग्रेस नेता अर्चना शर्मा दोपहर 12:30 बजे मोती डूंगरी मंदिर से करेंगी।

गणतंत्र दिवस समारोह आज

जोधपुर, (कासं)। देशभर में गुरुवार को 74वां गणतंत्र पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जोधपुर में भी गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। पर्व का मुख्य समारोह राजकीय उम्मेद स्टेडियम में आयोजित होगा। सुबह जिला प्रभारी मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ध्वजारोहण करेंगे। वे आज शाम तक जोधपुर पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम यहां करेंगे। गुरूवार की सुबह 9.05 बजे उम्मेद स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह में शरीक होंगे। स्टेडियम की सुरक्षा घेरे में लिया गया है। ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई गई है। अन्यथा पुलिस कार्रवाई कर सकती है।

गुरूवार को शहर में होने वाले 74वें गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर स्कूलों में भी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। स्कूलों में इस अवसर पर सुबह के समय ध्वजारोहण समारोह होने के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसके अलावा निजी प्रतिष्ठानों में झंडा फहराया जाएगा। रेलवे स्टेडियम में जोधपुर रेल मंडल की प्रबंधक गीतिका पांडेय की तरफ से ध्वजारोहण किया जाएगा।

होमगार्ड कल्याण कोष की राशि अन्य मदों में खर्च नहीं हो : हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतरिम आदेश देते हुए कहा है कि प्रकरण के निस्तारण तक होमगार्ड कल्याण कोष में जमा राशि का उपयोग होमगार्ड के लिए ही किया जाए। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पैसा अन्य गतिविधियों में खर्च नहीं हो। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश होमगार्ड समन्वय समिति की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी हजारों होमगार्ड के वेतन से प्रतिवर्ष राशि लेकर होमगार्ड कल्याण कोष बनाया गया है।

इसमें होमगार्ड और उसके परिवार के कल्याण के लिए दैनिक वेतन से दस फीसदी राशि का संग्रहण किया जाता है, लेकिन इस फंड की कोई ऑडिट नहीं की जाती। इस कोष में करोड़ों रुपए की राशि जमा हो चुका है। वहीं होमगार्ड से जुडे आलाधिकारी भी नाममात्र का अंशदान कर इस फंड के सदस्य बन जाते हैं। वहीं फंड में जमा धनराशि का उपयोग होमगार्ड कल्याण के बजाए विभाग में फर्नीचर खरीद, कार पार्किंग के शेड निर्माण, और गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों आदि पर खर्च किया जा रहा है।

इस राशि को होमगार्ड के प्रोविडेंट फंड में हस्तांतरित करने के लिए बाध्य होने के बावजूद भी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं भविष्य निधि विभाग भी मान चुका है कि इसके लिए पिछले एक दशक से राज्य सरकार से पत्राचार किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि पीएफ में राशि जमा नहीं कराने पर दंड का प्रावधान है, लेकिन सरकार की ओर से यह राशि जमा नहीं कराई जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा है कि याचिका के लंबित रहने के दौरान इस कोष में जमा राशि का अन्य उपयोग नहीं किया जाए।

पानी चोरी

जोधपुर, (कासं)। जलदाय विभाग की पानी की पाइप लाइन तोडकर पानी चोरी करने का मुकदमा सहायक अभियंता ने फलौदी थाने में दर्ज कराया। फलौदी पुलिस ने बताया कि पीएचईडी फलौदी में तैनात सहायक अभियंता रामनिवास विश्नोई की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि खारा शिमला राहडा कला एका क्षेत्र में रहने वाले अनोपाराम पुत्र बीरबलराम विश्नोई, फारूख खां पुत्र सरादीन खां, अमराराम मेघवाल पुत्र बालाराम आदि ने जलदाय पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त किया।

अवैध डोडा-पोस्त एवं अफीम बरामद

जोधपुर, (कासं)। जिले की ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 206 किलो अवैध डोडा-पोस्त के साथ 1.100 किलोग्राम अफीम भी जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण अनिल कयाल ने बताया अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, तस्कर, फरार अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत जिला विशेष टीम जोधपुर ग्रामीण ने थाना ओसियां के साथ संयुक्त कार्यवाही में 206.3 किग्रा अवैध डोडा पोस्त एवं 1.100 अफीम, इलेक्ट्रोनिक पिसाई मशीन, दो इलेक्ट्रोनिक कांटे बरामद कर नेवरा रोड मथानिया हाल भैरूसागर गणेश कॉलोनी के मनीष पुत्र मांगीलाल जाट को गिरफ्तार किया है।

जिला विषेष टीम ग्रामीण के चिमनाराम हैडकांस्टेबल को मुखबिर से सूचना मिली कि मनीष पुत्र मांगीलाल जाट का मकान ओसियां थाना क्षेत्र में गणेश कॉलोनी में बना हुआ है। मकान के पास में ही प्लॉट में टीन शेड छपरा बना हुआ है। जिसमें भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त एवं अफीम रखी हुई है। डोडा पोस्त का चक्की से पीसकर स्थानीय तस्करों का सप्लाई करता है। पुख्ता सूचना पर जिला विशेष टीम प्रभारी एसआई लाखाराम, एएसआई देवाराम विश्नोई, हैडकांस्टेबल श्रवण भंवरिया, चिमनाराम, प्रदीप ने थानाधिकारी ओसियां सुरेश चौधरी मय जाब्ता को मौके पर बुलाया। मनीष के कब्जे से 171.1 किग्रा डोडा पोस्त, 34.500 किग्रा पिसा हुआ डोडा पोस्त पाउडर (कुल 206.3 किग्रा अवैध डोडा पोस्त) एवं 1.100 अफीम, इलेक्ट्रोनिक पिसाई मशीन, दो इलेक्ट्रोनिक कांटे एवं प्लाटिक की थैलियों से भरा एक कट्टा बरामद कर गिरफ्तार कर लिया।

जालोर में गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में 78 व्यक्ति होंगे सम्मानित

जालोर, (कासं)। गणतंत्र दिवस समारोह-2023 का मुख्य समारोह शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम जालोर में गुरूवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। मुख्य समारोह में राज्यमंत्री श्रम, कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग सुखराम विश्नोई द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। जिसमें जिले में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 78 व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु, रानीवाडा उपखण्ड अधिकारी कुसुमलता चौहान, आहोर उपखण्ड अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सांचोर तहसीलदार रामस्वरूप जौहर, चितलवाना के विकास अधिकारी मूलेन्द्र सिंह राठौड, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक योगेश कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक अशोक विश्नोई, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी वेदप्रकाश आशिया, जिला रोजगार अधिकारी आनन्द कुमार सुथार, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मोहनलाल परिहार, स्काउट सीओ एम.आर.वर्मा, समग्र शिक्षा के पीईईओ चन्द्रपाल सिंह, नोरवा पीईईओ सुरेन्द्र पाल सिंह राजपुरोहित, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोग्रामर सुभाष बैंधा, विद्युत विभाग के सहायक लेखाधिकारी उत्तम कुमार चौधरी, कोष कार्यालय की सहायक लेखाधिकारी द्वितीय योगिता चौहान, वॉटरशेड के सहायक लेखाधिकारी द्वितीय डॉ. महिपाल सिंह, रोडवेज के सहायक लेखाधिकारी द्वितीय ओम लीलावत को उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जायेगा।

सार-समाचार

प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

सिवाना, (निसं)। कस्बे के सुथार समाज न्याति भवन अरट का जाव सिवाना में विश्वकर्मा जयंती पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 29 जनवरी को प्रातः 11 बजे संरक्षक सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी जीवराज जांगिड की अध्यक्षता में होगा। जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता ,मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसमें सुथार समाज के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 3 फरवरी को सम्मानित किए जाएंगे। पिछले वर्ष 2021, 2022 में 10 वीं बोर्ड, 12वीं बोर्ड परीक्षा में छात्रों में से 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्राओं में से 70 प्रतिशत०से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अपनी अंक तालिका की छाया प्रति साथ लेकर आवे। प्रभारी रमेश कुमार जांगिड के पास 29 जनवरी को जमा करावे।

स्नेहमिलन समारोह आज

जालोर, (कासं)। सुन्धा माता मंदिर ट्रस्ट मामा खेजडा तलहटी (सुन्देशा गौत्र) का 13 वां वार्षिकोत्सव एवं स्नेह मिलन समारोह जलन्धरनाथ अखाडा गादीपति गंगानाथ महाराज, पिपलेश्वर महादेव मठ लेटा गादीपति रणछोड़ भारती महाराज व जागनाथ महादेव मठ नारणावास के गादीपति महेन्द्र भारती महाराज व योगी साईनाथजी महाराज के सानिध्य में गुरूवार को धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। सुन्धा माता मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष हुक्मीचंद माली ने बताया कि वार्षिक उत्सव एवं स्नेहमिलन समारोह को लेकर निज मंदिर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। माली ने बताया कि गुरूवार को प्रात 10 बजे माताजी की महाआरती व श्रृंगार किया जायेगा। तथा भजन किर्तन व साधुसंतों का लाभार्थी परिवार द्वारा बहुमान किया जायेगा। तथा समारोह के दौरान भजन किर्तन का भी आयोजन होगा। जिसमें भजन गायक रमेश लौहार एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। तथा भक्तों के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम में झलका भारी उत्साह

सिवाना, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय संख्या नंबर दो पुरोहितों का वास सिवाना प्रांगण में बुधवार को वार्षिक उत्सव भामाशाह एवं पूर्व विद्यार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक हमीरसिंह भायल ने कहा की शिक्षा जीवन में अति आवश्यक है। इस अवसर पर विधायक ने विद्यालय में मंच निर्माण की घोषणा की। इसी क्रम में जिला परिषद सदस्य गरिमा राजपुरोहित ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी मेहनत व लग्न के साथ बालिकाएं आगे बढ़कर देश का नाम रोशन करें। वर्तमान समय शिक्षा का है। बालिका अधिक से अधिक शिक्षा प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करें। वर्तमान समय में शिक्षा अति आवश्यक है। बालिकाए शिक्षा के साथ में खेल प्रतियोगिताओं में भी भाग लेवे। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते हुए खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर पीईईओ सांवलाराम प्रजापत चेयरमैन रामनिवास आचार्य, प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार दवे सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार दवे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन ईश्वरसिंह ने किया।

मतदाता दिवस पर दिलाई शपथ

बाप, (निसं)। उपखंड अधिकारी कार्यालय परिसर में उपखंड अधिकारी मांगीलाल की अध्यक्षता में बुधवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। उपखंड अधिकारी मांगीलाल ने मतदान करने की शपथ दिलाई तथा कहा कि लोकतंत्र में मतदान की भूमिका प्रमुख है। निष्पक्ष निर्भीक होकर जाति वर्ग और धर्म से ऊपर उठकर अनिवार्य रूप से सभी मतदान करें। राजकीय महाविद्यालय बाप में एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर डॉ. योगेश शर्मा ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में सरकार बनाने में मतदाताओं की अहम भूमिका होती है। मतदाता अपने कीमती वोट से किसी भी पार्टी को पांच साल के लिए चुनकर सत्ता में लाता है, जो सरकार बनकर देश का सर्वांगीण विकास करती है। तृतीय वर्ष की छात्रा चंचल कुमावत ने भारतीय चुनाव आयोग की संपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए अधिकाधिक महिलाओं को मतदान में बढ-चढकर भाग लेने का आव्हान किया।

रेवदर में मतदाता दिवस समारोह हुआ

रेवदर, (निसं)। 25 जनवरी, को भाग (148) विधानसभा मुख्यालय पर उपखण्ड अधिकारी दुदाराम हुड्डा रेवदर की अध्यक्षता में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रेवदर के प्रांगण में राष्ट्रीय मतदाता दिवस को समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी रेवदर द्वारा मतदाता शपथ दिलवाई गई एवं समारोह में नव पंजीकृत मतदाताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही चुनाव के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों , कार्मिको एवं बी.एल.ओ. को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वही मतदाता सूची में योग्य मतदाताओं का शत प्रतिशत पंजीकरण करवाने एवं मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश व जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान उपखण्ड अधिकारी दुदाराम हुड्डा रेवदर, जगदीश कुमार विश्नोई तहसीलदार रेवदर , राधिका बैन प्रधान रेवदर, अजबाराम स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच, रफीक महोमद नायब तहसीलदार रेवदर, स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविन्दसिंह, प्रकाश कुमार चुनाव लिपिक रेवदर व सम्मानित होने वाले अधिकारी कर्मचारी बी.एल. ओ, स्थानीय सुपरवाईजर एवं नव पंजीकृत मतदाता आदि उपस्थित रहे।

नवीन भवन के लिए भूमि पूजन किया

रेवदर, (निसं)। पंचायत समिति के ग्राम पंचायत हरणी अमरापुरा के नये भवन निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पुजन व शिलान्यास किया गया । शिलान्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेवदर विकास अधिकारी आवडदान, ग्राम हरनी अमरापुरा सरपंच फैंसी देवी व उपसरपंच बलवंत सिंह देवडा, पंचायत समिति सदस्य सुरता राम देवासी व पंचायत समिति कनिष्ठ अभियंता महेंद्र कुमार व ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार व राजुराम कोली रहे।

दो की मौत

जोधपुर, (कासं) । जिले के ठाामीण क्षेत्रों में फसलों पर कीटनाशक छिडक़ाव करते बेहोश होने से बीमार दो लोगों की मौत हो गई। इसमें एक महिला है। संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज किए है। मतोड़ा पुलिस ने बताया कि भोपालगढ के झालामलिया निवासी मोहनराम पुत्र कोजाराम जाट ने रिपोर्ट दी।

वीरवर राव चन्द्रसेन शोध पीठ शुरू

जोधपुर, (कासं)। इतिहास विभाग जय नारायण व्यास, जोधपुर एवं महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, मेहरानगढ म्यूजियम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास विभाग-भाषा प्रकोष्ठ में गठित "वीरवर राव चन्द्रसेन शोध पीठ" का उद्घाटन आज जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एल. श्रीवास्तव द्वारा न्यू कैम्पस स्थित इतिहास विभाग के भाषा प्रकोष्ठ (लेग्वेज विंग) में किया गया।

राव चन्द्रसेन शोध पीठ की निदेशक प्रो. सुशीला शक्तावत ने बताया कि अतिथियों द्वारा शोध पीठ के कार्यालय के उद्घाटन के पश्चात् आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. के.एल. श्रीवास्तव ने कहा कि आज बहुत ही महत्त्वपूर्ण दिन है जब वीरवर राव चन्द्रसेन शोध पीठ का गठन विश्वविद्यालय में हुआ और विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए शोध के लिए नवीन मार्ग प्रशस्त होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के.एल. रैगर ने कहा कि कला संकाय में वीर राव चन्द्रसेन शोध पीठ की स्थापना से संघर्षमय जीवन जीने वाले व्यक्तित्व से शोधार्थियों और विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने बताया वीरवर संघर्षमयी जीवन के बावजूद भी अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हठे।

कार्यक्रम में डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने राव चन्द्रसेनजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और महाराजा मानसिंह शोध केन्द्र में उपलब्ध महत्त्वपूर्ण सामग्री से अवगत कराया और कहा कि शोध केन्द्र इस पीठ हेतु हर संभव मदद भविष्य में करता रहेगा और साझेदारी में कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश के सहायक निदेशक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् शोध पीठ की निदेशक प्रो. सुशीला शक्तावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए शोध पीठ के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध करवाई और कहा कि इस शोध पीठ में कला संकाय और विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग शोध हेतु उपस्थित होकर कार्य कर सकते हैं और सभी के सम्मिलित प्रयासों से हम इस शोध पीठ के लिए नवीन आयाम स्थापित करेंगे।

कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किये गये।

इस कार्यक्रम में प्रो. कल्पना पुरोहित, प्रो. सतीश हरित, प्रो. कांता कटारिया, प्रो. मीना वरडिया, प्रो. रेणु शर्मा, प्रो. महिपालसिंह राठौड, डॉ. रश्मि मीणा, डॉ. भवानीसिंह राजपुरोहित, डॉ. दिनेश राठी, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. भरत देवडा, डॉ. ललित पंवार, डॉ. प्रतिभा सांखला इत्यादि सहित अनेक विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अन्त में कार्यक्रम संचालक डॉ. ललित पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

जालोर, (कासं)। 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को जिला परिषद सभा भवन, जालोर में जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जालोर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी दौलतराम चौधरी ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए चुनाव प्रक्रिया में मतदाता सूची की महत्वता की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन पुखसिंह भाटी ने किया। कार्यक्रम के दौरान एसएसआर-2023 एवं मतदाता पत्र को आधार से जोड़ने के कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 बीएलओ व सुपपरवाईजरों को सम्मानित किया गया। जिला स्तर पर आहोर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ राउप्रावि मेघवालों का वास आहोर के अध्यापक प्रकाश कुमार व राउप्रावि मेवासा, भाद्राजून के अध्यापक कानाराम, जालोर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ राउप्रावि लालपोल जालोर के अध्यापक राजेश कुमार बालोत व सुपरवाईजर पांथेड़ी के भू.अ.निरीक्षक सुखराज सिंह राजपुरोहित, भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ राउप्रावि वाडा नया (बागोड़ा) के अध्यापक सांवलाराम व राउमावि भागलभीम के अध्यापक श्रवण कुमार, सांचौर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ राउमावि सेसावा के अध्यापक मालाराम व राउप्रावि बागली के अध्यापक ओमप्रकाश तथा रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ राउमावि पावली के अध्यापक चेनाराम व राप्रावि खोटापा नाड़ी के प्रबोधक जेठाराम परमार को योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विश्वकर्मा जयंती पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

सिवाना, (निसं)। कस्बे के सुथार समाज न्याति भवन अरट का जाव सिवाना में विश्वकर्मा जयंती पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 29 जनवरी को प्रातः 11 बजे संरक्षक सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी जीवराज जांगिड की अध्यक्षता में होगा। जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता ,मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत लेटा पंचायत समिति जालोर

क्रमांक/ग्रापं. लेटा/2022-23/21 दिनांक: 25.01.2023

निविदा सूचना संख्या 03/2022-23

पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत लेटा द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत (संशोधित) पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदाएं कार्य के सामने अंकित तिथि को 5.00PM बजे तक ग्राम पंचायत में बेची जाकर कार्य के सामने अंकित तिथि को 11.00AM बजे तक संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा प्राप्त की जाकर दिनांक 02.02.2023 को पंचायत स्तरीय क्रय कमेटी के समक्ष 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। पंजीकृत संवेदकों द्वारा शर्तो के अनुरूप दस्तावेज प्रस्तुत करने पर निर्धारित निविदा शुल्क जमा कराकर ही निविदा प्राप्त के साथ अमानत राशि का डिमांड ड्राफ्ट अलग-अलग कार्य का अलग-अलग लिफाफें में "सरपंच ग्राम पंचायत लेटा, पंचायत समिति जालोर जिला जालोर के पक्ष में स्थानीय शाखा में देय हो" प्रस्तुत करना होगा। निविदा की शर्ते (परिशिष्ट-3) जी-शिड्यूल के साथ ही दी जावेगी। संवेदक द्वारा दी गई कोई शर्त मान्य नही होगी। यदि निविदा प्राप्ति तिथि को राजकीय अवकाश होगा तो आगामी कार्य दिवस को निविदा विक्रय एवं प्राप्त की जावेगी। निविदा बेचने जमा करवाने/खोलने एवं निविदा शर्ते आदि सबंधित समस्त विवरण संबंधित ग्राम पंचायत के कार्यालय समय में एवं वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जिला जालोर होगा।

क्रं. स.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू.	निविदा शुल्क	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा विक्रय अंतिम तिथि एवं समय	निविदा प्राप्ति तिथि एवं समय
1	उप स्वास्थ्य केन्द्र लेटा की अपूर्ण चार दिवारी निर्माण कार्य	500000	200	10000	3 माह	दिनांक 01/02/2023 को सांय 5.00 बजे तक	दिनांक 02/02/2023 को 11.00AM बजे तक
2	चार दिवारी निर्माण कार्य पटवार भवन लेटा	500000	200	10000	3 माह		
3	नाला निर्माण कार्य इच्छापूर्ण हनुमानजी से पानी की प्याउ की ओर बस स्टैड लेटा	265000	200	5300	2 माह		

नियम व शर्ते :-
1. डाक व ई-मेल के द्वारा भेजी गई निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
2. बोली को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत या रद्द करने का अधिकार उपापन कमेटी के पास सुरक्षित रहेगा।

सरपंच
ग्राम पंचायत लेटा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लेटा

कार्यालय पंचायत समिति आहोर, जिला जालोर (राज.)

क्रमांक/पंसआ/सामान्य/2022-23/927-36 दिनांक 24.01.2023

पंचायत समिति आहोर के समस्त नागरिकों को 26 जनवरी 2023 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

अपील

- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत आस-पास के परिसर को साफ सुथरा रखे एवं शैचालय का नियमित उपयोग करें।
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण
- ग्रामीण पोप योजना
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
- पालनहार योजना/मुख्यमंत्री कन्यादान हथलेवा योजना
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
- महात्मा गांधी नरेगा योजना
- जन आधार योजना
- मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
- लोक सेवाओं के प्रदान कि गारंटी अधिनियम/सुनवाई का अधिकार अधिनियम
- श्रमिक हिताधिकारी योजना/ई-श्रम पंजीयन

उपरोक्त योजनाओं का लाभ लेने के लिये पंचायत समिति या ग्राम पंचायत के राजीव गाँधी सेवा केन्द्र व ई-मित्र पर नियमानुसार आवेदन कर जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

संतोष कँवर चान्दराई
प्रधान
पंचायत समिति आहोर

मंछाराम (RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति आहोर

सौजन्य :- समस्त जिला परिषद सदस्यगण/पंचायत समिति सदस्यगण/पंचायत समिति सरपंचगण/वार्डपंचगण/पंचायत समिति का सम्पूर्ण स्टाफ/ एम.जी. नरेगा का समस्त स्टाफ पंचायत समिति आहोर।

कॉन्फ्रेंस कल से

जालोर, (कासं)। जिले के जालोर, सांचेर,रानीवाडा, भींनमाल, आहोर के क्लबों के सदस्य जयपुर में होने वाली कांफ्रेंस में भाग लेंगे।

जिसको लेकर क्लब में बैठक आयोजित कर तैयारियां को लेकर चर्चा की गई। कांफ्रेंस को लेकर सदस्यों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

कॉन्फ्रेस चेयरमैन डूंगरसिंह मंडलावत ने बताया कि प्रांतपाल डॉ. बलवंत सिंह चिराना के नेतृत्व में रोटरी कॉन्फ्रेंस आयोजित हो रही हैं। यह एक रोटरी का महाकुंभ है,जहां प्रांत के सभी क्लबों से रोटरी सदस्य शरीक होते हैं और रोटरी संबंधित जानकारियां अपडेट करते हुए आपसी मेलजोल व भाईचारा बढाते हैं।

तकरीबन 1500०सदस्य गुजरात, राजस्थान से आने की उम्मीद है। कॉन्फ्रेंस चेयरमैन विशाल गुप्ता के अनुसार यह महाकुंभ इस वर्ष रोटरी क्लब जयपुर क्राउन आयोजित कर रहा है। जिसके उद्घाटन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड के आने की संभावना है। प्रांतीय सचिव नीरज अग्रवाल के अनुसार उद्घाटन समारोह में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत,एवं रोटरी अंतरराष्ट्रीय के पूर्व अध्यक्ष शेखर मेहता करेंगे।

कार्यालय पंचायत समिति सम, मुख्यालय जैसलमेर

मुख्यमंत्री
अशोक गहलोत

विधायक
रूपाराम

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

जिला प्रमुख
अजंना मेघवाल

प्रधान
तनेसिंह सोढा

अपील

मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राजस्थान, पूर्णतः राज्य मद से संचालित योजना के तहत वर्ष 2022-23 में महानरेगा योजनान्तर्गत 100दिवस का रोजगार पूर्ण करने वाले परिवारों को अतिरिक्त 25 दिवस का रोजगार
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क उपचार । उक्त योजनान्तर्गत राष्ट्रिय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) में चयनित परिवार, सामाजिक, आर्थिक एवं जाति आधारित जनगणना (सेक-2011) के अंतर्गत पात्र परिवार, बजट घोषणा 2021-22 के अनुसार समस्त दिव्यांगों में कार्यरत संविदा कार्मिक तथा लघु एवं सीमान्त कृषक तथा कोविड- 19 अनुग्रह राशि प्राप्त परिवारों को निःशुल्क एवं शेष परिवारों को प्रीमियम दर का 50 प्रतिशत (850/- रूपये प्रति परिवार प्रति वर्ष) का भुगतान कर सम्मिलित किया गया है। 31 जनवरी, 2023 तक बीमा करवाने वाले परिवारों को 01 फरवरी से योजनान्तर्गत लाभ देय । 3 . दिनांक 26 जनवरी 2023 को ग्राम सभा में भाग लेकर अपनी भागीदारी निभायें। 4. माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान द्वारा राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं यथा मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान, मुख्यमंत्री कन्यादान / हथलेवा, पालनहार, राजस्थान जन आधार, महात्मा गाँधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय, मिड-डे-मील, मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा, आई एम शक्ति उडान, इंदिरा गाँधी मातृत्व पोषण इत्यादि योजनाओं का लाभ उठायें। 5. स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में सामुदायिक शौचालय, घर-घर कचरा संग्रहण और गांव को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें। 6. ओडीएफ प्लस ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन क्रियान्वयन के तहत पंचायत समिति के समस्त ग्रामों को किये जाने का लक्ष्य 7. प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ उठायें। 8. जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीयन अवश्य करवायें। 9. प्रत्येक गुरुवार को आयोजित रोजगार दिवस में प्रपत्र-6 में आवेदन महात्मा गाँधी नरेगा योजना में 100दिवस के रोजगार प्राप्त करें।

(रामनिवास बाबल)
विकास अधिकारी

पंचायत समिति सदस्य
सरपंचगण पंचायत समिति सम

(तने सिंह सोढा)
प्रधान

मैं देश के माननीय प्रधानमंत्री जी से निवेदन करती हूं हमारे देश की सभी बहन-बेटियां आपकी तरफ बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है अगर हम सब बहन-बेटियों को न्याय नहीं मिला तो यह देश के इतिहास के लिए बडआ दुर्भाग्य होगा। - गीता फोगाट

कुश्ती पहलवान, प्रधानमंत्री से अपील करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शैफाली वर्मा

भारतीय अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप टीम की कप्तान शैफाली वर्मा ने कहा है कि वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को खेलता देखकर बड़ी हुई है और वह भी मेरे आदर्श है। शैफाली ने स्टार स्पोर्ट्स से एक विशेष बातचीत में यह बात कही। उन्होंने अपने आदर्श और अंडर-19 विश्व कप खेलने में टीम इंडिया की ताकत के संदर्भ में विचार व्यक्त किये। शैफाली ने कहा, मुझे लगता है कि आजकल मुझे लिविंगस्टोन की बल्लेबाजी पसंद है क्योंकि वह बहुत अच्छा हिट कर रहा है, और निश्चित रूप से मैं सचिन तेंदुलकर सर खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हूं।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन है।

सूर्यकुमार बने साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर

दुबई, 25 जनवरी। भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से साल 2022 के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर का पुरस्कार हासिल किया है। आईसीसी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सूर्यकुमार ने 2022 में अपनी अतरंगी बल्लेबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध किया और खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई कीर्तिमान रचे। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गये। उन्होंने यह उपलब्धि 187.43 के विस्फोटक स्ट्राइक-रेट से 1164 रन बनाकर हासिल की और वह पिछले साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और टूर्नामेंट की छह पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। उन्होंने लगभग 60 की औसत से रन बनाये और यहां भी उनका स्ट्राइक-रेट 189.68 रहा। सूर्यकुमार ने अपने टी20 करियर के यादगार साल में कुल 68 छक्के जड़े। इससे पहले एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के मारने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान के पास था, जिन्होंने 2021 में सिर्फ 42 छक्के जड़े थे। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार हासिल करने के बाद कहा, ''मुझे साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुनने के लिये आईसीसी का शुक्रिया। यह एक बेहतरीन एहसास है। मेरे लिये 2022 शानदार रहा। निजी तौर पर कहूं तो मैंने अपनी कुछ पारियों का काफी आनंद लिया।''

सूर्यकुमार ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के पर्दे पर आते ही छा जाने वाले सूर्यकुमार ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी इंग्लैंड के खिलाफ ही जड़ा था। भारत ने जुलाई 2022 में नॉटिंघम में खेले गये मुकाबले में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। सूर्यकुमार ने इसके बाद अकेले लड़ते हुए 55 गेंदों पर 117 रन की शानदार पारी खेली, हालांकि अंत में यह मुकाबला 17 रन से इंग्लैंड के पक्ष में गया था।

आईएचएफ को देश में हैंडबॉल के विकास की जानकारी देगा भारत

लखनऊ, 25 जनवरी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए जगनमोहन राव और कार्यकारी निदेशक आनन्देश्वर पाण्डेय आगामी 30 जनवरी को इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा से मुलाकात कर उन्हें भारत में हैंडबाल की विकास प्रगति की जानकारी देंगे।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव तेजराज सिंह ने बुधवार को बताया कि आईएचएफ पुरुष विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप 27 से 29 जनवरी के बीच मध्य स्वीडन में आयोजित होगी, जिसका फाइनल मैच देखने के बाद राव और पाण्डेय 30 जनवरी को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के प्रतिनिधि के तौर पर आईएचएफ के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा और जनरल डायरेक्टर अमल खलीफा से मिलेंगे। इस दौरान भारत में हैंडबॉल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इसके साथ ही ये दोनों भारत में हैंडबॉल को लोकप्रिय बनाने के लिए और भारत में होने वाली प्रीमियर हैंडबॉल लीग के बारे में प्रेजेंटेशन देंगे। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट के आधार पर इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन भारत में हैंडबॉल के प्रसार को नए आयाम देने के लिए प्रशिक्षकों और रेफरी की कार्यशाला तथा हैंडबॉल उपकरण प्रदान कर मदद भी करेगा।

सिराज बने दुनिया के नं. 1 गेंदबाज

रैंकिंग में बोल्ट और हेजलवुड को पछाड़ा, बैटिंग रैंकिंग में विराट से आगे गिल

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए दो दिन में दूसरी बड़ी खुशखबरी सामने आई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप कर टीम इंडिया मंगलवार को दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनी थी। आज भारत के मोहम्मद सिराज दुनिया के नंबर-1 वनडे गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में सिराज 729 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड (727 पॉइंट्स) दूसरे स्थान पर और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (708 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी में जोरदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल अब वनडे में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले चार वनडे में तीन शतक जमाने वाले गिल अब 734 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 20 स्थान की छलांग लगाई है। वहीं विराट कोहली 727 पॉइंट्स के साथ सातवें और कप्तान रोहित शर्मा 719 पॉइंट्स के साथ नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 887 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में शुभमन गिल ने बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 180 की औसत से 360 रन बनाए। वे सीरीज में भारत के टॉप स्कोरर के साथ ही ओवर ऑल भी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

गिल ने अपनी पारी में 2 सेंचुरी भी जड़ी। वहीं मोहम्मद सिराज ने 2 मैचों में 3.50 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की 2022 में वनडे टीम ऑफ द ईयर में जगह दी गई है। इस टीम में उनके अलावा मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। ने मंगलवार को टीम की घोषणा की थी। मेंस टीम में दो और विमेंस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है।

मोहम्मद सिराज अब तक 21 वनडे मैच खेल चुके हैं और उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। सिराज को अपना पहला वनडे खेलने के तीन साल बाद दूसरा वनडे खेलने का मौका मिला था। सिराज ने 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड मैच से वनडे में डेब्यू किया था। इस मैच में सिराज को विकेट नहीं मिले। उसके बाद उन्हें दूसरे वनडे मैच खेलने का मौका 6 फरवरी 2022 को मिला।

बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी 2 स्थानों का फायदा मिला है। वह 11वें से 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित, शुभमन गिल के बाद भारत के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 62 की औसत से 186 रन बनाए। रोहित ने अपनी पारी में एक सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी जड़ी।

आईपीएल-2023 एक अप्रैल से हो सकता है शुरू

मुंबई, 25 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 संस्करण का आगाज 31 मार्च या एक अप्रैल से हो सकता है जबकि फाइनल 28 मई को खेला जा सकता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बतायाा कि अगले महीने 10 से 26 फरवरी के बीच दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले महिला टी-20 विश्वकप के बाद वुमेंस प्रीमियर लीग का पहला संस्करण चार मार्च से 24 मार्च के बीच आयोजित किया जा सकता है। आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के बीच एक सप्ताह का अंतर दिया जा सकता है ताकि मैदानों को नये सिरे से सजाया-संवारा जा सके।

बीसीसीआई डब्ल्यूपीएल को शानदार तरीके से आयोजित कराने की तैयारी में है। बोर्ड ने बुधवार को यहां एक नीलामी में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेच दिये, जिसमें मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के अलावा अडाणी समूह और कैपरी होल्डिंग्स ने बाजी मारी।

आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल ने बुधवार की नीलामी के बाद कहा, टूर्नामेंट के लिए कार्यक्रम के साथ-साथ कितने मैदानों का उपयोग किया जाएगा, इस पर जल्द फैसला करेंगे। डब्ल्यूपीएल एक शहर में कराया जाये या एक से अधिक शहरों में, इस पर विचार किया जायेगा। इन तमाम पहलुओं पर अगले कुछ दिनों में विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया जायेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि डब्ल्यूपीएल के लिये खिलाड़ियों की नीलामी संभवतः फरवरी के पहले सप्ताह में होगी। टीम के मालिकों के पास अपनी टीम बनाने के लिये 12 करोड़ रूपये का नीलामी पर्स होगा।

जोकोविच 22वें ग्रैंड स्लैम से दो कदम दूर

मेलबर्न 25 जनवरी। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रुबलेव को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

रॉड लेवर एरिना पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में जोकोविच ने रुबलेव को 6-1, 6-2, 6-4 से हराया और अब वह सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले राफेल नडाल (22) की बराबरी करने से सिर्फ दो कदम दूर हैं। जोकोविच अपना 10वां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब तलाश रहे हैं, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सबसे सफल खिलाड़ी रोजर फेडरर ने सिर्फ छह बार यह खिताब हासिल किया है।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि पहले दो सेटों में स्कोरलाइन मैच की वास्तविकता नहीं बताती। रुबलेव एक महान प्रतिद्वंदी और खिलाड़ी हैं। मेरे मन में उसके लिये बहुत सम्मान है। वह सबसे बड़े फोरहैंड्स में से एक है और टूर पर सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक है।

सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जो क्वार्टरफाइनल में अपने हमवतन बेन शेल्टन को हराकर आ रहे हैं। पॉल ने रॉड लेवर एरिना पर खेले गये मैराथन क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन को 7-6, 6-3, 5-7, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इसी बीच, पोलैंड की मैग्डा लिनेट और बेलारूस की एरिना सबालेंका ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में एकतरफा जीत हासिल कर कदम रखा। लिनेट ने रॉड लेवर एरिना पर एक घंटे 27 मिनट चले महिला एकल मुकाबले में चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 7-5 से मात दी। विश्व नंबर 45 लिनेट ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

लिनेट ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ अभियान के बारे में कहा, मैं शायद अब भी विश्वास नहीं कर पा रही हूं। मैं इसे कभी नहीं भूल सकूंगी। यह अनुभव मेरे साथ जीवन भर रहेगा। मैं दर्शकों के समर्थन के लिए भी उनकी शुक्रगुजार हूं। दूसरी ओर, सबालेंका ने भी क्रोएशिया की डोना वेकिक को 6-3, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में कदम रखा। यह 24 वर्षीय सबालेंका का चौथा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। उन्हें अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष-4 में लिनेट का सामना करना होगा। उल्लेखनीय है कि सबालेंका ने 2023 में अपने सभी नौ मुकाबले जीते हैं और इस दौरान उन्होंने कोई सेट नहीं गंवाया है।

विमेंस प्रीमियर लीग की टीमों की नीलामी

पांच टीमों की बिक्री 4670 करोड़ रुपये में हुई

दिल्ली मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमें खेलेंगी

नई दिल्ली, 25 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी हो गई है। बुधवार को बोर्ड ने नीलामी में सफलता हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा की। इस नीलामी से बोर्ड को कुल 4669.99 करोड़ रुपए की रकम मिलेगी। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी। का पहला सीजन इस साल मार्च में होना है। फरवरी में खिलाड़ियों की नीलामी होगी।

15 साल पहले 2008 में ने पुरुष के लिए 8 टीमों की नीलामी की थी। इससे बोर्ड को तब 72.35 करोड़ डॉलर मिले थे। अगर डॉलर के मौजूदा भाव के हिसाब से कैलकुलेट करें तो आंकड़ा 5,907 करोड़ रुपए का आता है। 2008 में 1 डॉलर करीब 40 रुपए का था। उस हिसाब बोर्ड को पुरुष फ्रेंचाइजीज की नीलामी से करीब 2900 करोड़ रुपए ही मिले थे। यानी हर टीम के लिए 362.5 करोड़ रुपए। वहीं, के लिए बोर्ड को 4670 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी 1 टीम की कीमत 934 करोड़ रुपए है।

टीम खरीदने के लिए 17 कंपनियां मैदान पर उतरीं। हालांकि 30 से ज्यादा कंपनियों ने इसके लिए टेंडर खरीदे थे। टीमें खरीदने के लिए पुरुष की 7 टीमों मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने रुचि दिखाई। साथ ही देश के बड़े औद्योगिक घराने अडाणी ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, हल्दीराम ग्रुप, टोरेंट फार्मा, अपोलो पाइप्स, अमृतलीला इंटरप्राइजेज, श्रीराम ग्रुप और स्लिंगशॉट 369 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आगे आए।

बोर्ड ने कुछ दिनों पहले विमेंस प्रीमियर लीग के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80 हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60 और उसके बाद 50 हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लाइसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पॉन्सर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा। इस साल मार्च में होगा पहला सीजन का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष के लिए तैयार किया जाएगा। एक टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने आने के बाद ऑक्शन होगा।

एंडी मरे को था ऑस्टियो आर्थराइटिस

डॉक्टर ने कहा- टेनिस नहीं खेल पाएंगे, अब करियर का सबसे लंबा मैच खेला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंडी मरे से एक डॉक्टर मिले, जिसे उन्होंने तब देखा था जब वह ऑस्टियो आर्थराइटिस बीमारी से परेशान थे, यानी 2017 में। टेनिस स्टार मरे ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि 2017 में डॉक्टर ने उनसे कहा था कि उनकी बीमारी ठीक हो सकती है, लेकिन इसके बाद वे फिर से पेशेवर खेल में लौट नहीं पाएंगे। मरे ने कहा कि उन्होंने पिछले 5 दिनों में इस बात को गलत साबित कर दिया है।गुरुवार को तीन बार के ठौंड स्लैम चैम्पियन मरे ने अपने करियर का सबसे लंबा मैच खेला, जो 5 घंटे 45 मिनट तक चला। ऑस्ट्रेलिया के कोकिनाकिस से शुरुआती दो सेट में हारने के बाद लगातार 3 सेट जीतकर उन्होंने मैच अपने नाम किया था। इसके ठीक 60 घंटे बाद मरे स्पेन के रॉबर्ट बॉटिस्टा एगट के खिलाफ फिर से कोर्ट में उतरे। हालांकि, इस मैच में उन्हें हार मिली। मरे की बीमारी के इलाज के लिए उन्हें हिप रिसर्फेसिंग सर्जरी की जरूरत थी। ये सर्जरी शरीर के चलने के तरीके, लचीलेपन, गति और चाल को बदल देती है। टेनिस एक मुश्किल खेल है। इससे खिलाड़ी का वजन जोड़ों के जरिए पूरे शरीर में घूमता है और लगातार मूवमेंट के साथ ये हिप्स पर दबाव डालता है। इसकी वजह से मरे के हिप्स में कार्टिलेज को नुकसान पहुंचा और वे ऑस्टियोआर्थराइटिस का शिकार हो गए। इससे एक स्मूथ लाइनिंग की बजाय जोड़ कमजोर पड़ने लगते हैं, जिससे हड्डियां को नुकसान होने लगा।

जर्मनी ने इंग्लैंड से जीत छीनी

भुवनेश्वर, 25 जनवरी। दो बार की विश्व चैंपियन जर्मनी ने हार के मुंह से जीत छीनते हुए बुधवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड को 2-2 (शूटआउट 4-3) से मात दी। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने जैकरी वॉलेस (11वां) और लायम एंसेल (32वां मिनट) के गोलों की बदौलत 2-0 की बढ़त बना ली थी। मैच के 57वें मिनट तक इंग्लैंड ने यह बढ़त बरकरार रखी, लेकिन टॉम ग्रैम्बुश ने 57वें और 58वें मिनट में गोल करके मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में इंग्लैंड पांच में से तीन ही गोल कर सका, जबकि जर्मनी ने अपने शुरुआती चार प्रयासों पर गोल करके मुकाबला जीत लिया।

डब्ल्यूपीएल से बीसीसीआई हुई मालामाल, शाह ने कहा ऐतिहासिक दिन

मुंबई, 25 जनवरी। मार्च में प्रस्तावित महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले संस्करण के लिये टीमों के नीलामी में पांच फ्रेंचाइजी से भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार हजार 669 करोड़ रुपये की कमाई की है।

डब्ल्यूपीएल के लिये अडाणी स्पोर्ट्सलाइन प्रा लिमिटेड अहमदाबाद ने 1289 करोड़ रुपये, इंडियाविन स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड मुंबई ने 912.99 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड बेंगलुरु ने 901 करोड़,जेएसडब्ल्यू जीएमआर क्रिकेट प्रा लिमिटेड दिल्ली ने 810 करोड़ और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड लखनऊ ने 757 करोड़ रुपये की बोली लगायी है।

इस उपलब्धि से अभिभूत बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बुधवार को ट्वीट किया, क्रिकेट में आज का दिन ऐतिहासिक है। डब्लूपीएल के पहले संस्करण में ही टीमों के लिए लगाई गई बोली ने 2008 में पुरुषों के आईपीएल के उद्घाटन के रिकॉर्ड तोड़ दिए। विजेताओं को बधाई, क्योंकि हमने बोली में कुल 4669.99 करोड़ रुपये प्राप्त किए। यह महिला क्रिकेट में एक क्रांति की शुरुआत का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, यह न केवल हमारी महिला क्रिकेटरों के लिए, बल्कि पूरी खेल बिरादरी के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का रास्ता है। डब्लूपीएल महिला क्रिकेट में आवश्यक सुधार लाएगा और एक सर्वव्यापी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करेगा जो प्रत्येक हितधारक को लाभान्वित करे। चलिये महिला प्रीमियर लीग की यात्रा शुरू करते हैं।

गौरतलब है कि पांच टीमों के साथ महिला प्रीमियर लीग मार्च में मुंबई में खेली जायेगी। महिला प्रीमियर लीग में टीमों को खरीदने के लिए 33 पार्टियां मैदान में थीं। बीसीसीआई ने बुधवार को एक विज्ञिप्त जारी कर कहा, पांच फ्रेंचाइजी डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगी, बशर्ते बोली लगाने वाले बाद की औपचारिकताओं को पूरा करें।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल टीमों के लिए सफल बोली लगाने के लिए विजेताओं को बधाई देता हूं। लीग भारत और विदेशों के खिलाड़ियों को एक साथ सीखने और बढ़ने का मौका देगी। यह अधिक महिला क्रिकेटरों को शामिल करने के साथ जमीनी स्तर पर विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैं नीलामी प्रक्रिया के सुचारू निष्पादन के लिए बीसीसीआई की टीम को भी बधाई देना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि लीग हमारी महिला क्रिकेटरों को वैश्विक मंच पर चमकने में मदद करेगी।

जय शाह ने कहा, मैं सभी पांच फ्रेंचाइजी का स्वागत करता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की सामूहिक बोली से पता चलता है कि हमारे हितधारक पूरी तरह से अवधारणा में विश्वास करते हैं और लीग के लिए बीसीसीआई के नजरिये से इत्तिफाक रखते हैं। लीग निश्चित रूप से महिला खिलाड़ियों की हौसलाफजाई करेगी और उनकी प्रतिभा को निखारने का मौका देगी। हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां महिला क्रिकेट का तेजी से विकास होना तय है। डब्ल्यूपीएल इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह समावेशिता के एक नए युग की शुरुआत है, जहां हमारी महिला क्रिकेटरों को डब्ल्यूपीएल के साथ वैश्विक स्तर पर विकसित होने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। महिला क्रिकेट में इस तरह के सकारात्मक बदलाव को देखकर मेरा दिल गर्व से भर गया है। यह वास्तव में महिला क्रिकेट के लिए एक मानक स्थापित करने जा रहा है। नए मालिकों को हार्दिक बधाई।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल में सभी विजेताओं को बधाई और स्वागत करना चाहता हूं। महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण में निवेश करने के लिए प्रतिभागियों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना सम्मान और खुशी की बात है। यह महिला क्रिकेट के मूल्य का एक मजबूत वसीयतनामा है और इसके साथ ही महिला क्रिकेट के लिए आत्मनिर्भर संसाधनों का एक केंद्रीय पूल होगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, मैं सभी बोलीदाताओं को महिला प्रीमियर लीग में दिखाए गए विश्वास के लिए बधाई और धन्यवाद देता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की कुल बोली महिला टूर्नामेंट के लिए एक रिकॉर्ड आंकड़ा है और आने वाले बदलाव का एक संकेतक है।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

ग्रुप पॉइंट्स टेबल के टॉप पर, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारत ने मंगलवार को विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले एडिशन में सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। भारत अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड या इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत ग्रुप 1 में था। इसमें भारत के साथं ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और थे। फॉर्मेट के अनुसार हर टीम को ग्रुप में 4 मैच खेलने थे। सभी टीमों ने ग्रुप में काम से काम 1 मुकाबला हारा है। टेबल में बांग्लादेश और के अलावा सभी अपने ग्रुप के पूरे मैच खेल चुके हैं। भारत और फिलहाल 6 पॉइंट्स के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। अगर आज बांग्लादेश जीतता है तो उसके भी 6 पॉइंट्स हो जाएंगे।

अगर उसका बेहतर रनरेट हुआ तो भी वो ऑस्ट्रेलिया को बाहर करेगा न कि भारत को। ऐसा हो सकता है कि भारत पहले से दूसरे पायदान पर आ जाए। इस स्थिति में भी भारत का सेमीफाइनल खेलना तय है। मेजबान साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के पास जाकर भी उससे दूर हो गया। साउथ अफ्रीका के भी पॉइंट्स टेबल में 6 पॉइंट हैं, लेकिन उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना था। मैच में उसे 1 रन से जीत मिली।

ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप में न्यूजीलैंड अपने सभी मैच जीत कर 8 अंक के साथ टॉप पर है। वहीं इंग्लैंड ने भी अब तक अपने सारे मैच जीते हैं। उसके 6 अंक हैं। इंग्लैंड का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सानिया-बोपन्ना की जोड़ी

करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेगी सानिया मिर्जा

नई दिल्ली, 25 जनवरी। आखिरी ठौंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोडी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले के तीसरे सेट से ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक की जोडी हट गई। ऐसे में भारतीय जोडी को विजेता घोषित कर दिया गया। जब तीसरी सीड जोडी हटी तब मुकाबला एक-एक की बराबरी पर था। इस मैच का पहला सेट भारतीय जोडी ने 7-6 से जीता। उसके बाद ब्रिटिश-अमेरिकी जोडी ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। भारतीय खिलाडी आखिरी सेट के दस गेम जीत चुके थे। कॉम्पटीटर के हिस्से 6 गेम की जीत आई थी।

अमेरिका और जर्मनी 64 टैंक भेजेंगे यूक्रेन के लिए

अमेरिका इसी सप्ताह 50 अब्राम टैंक व जर्मनी 14 लैपर्ड-2 टैंक देने की तैयारी कर रहे हैं

वाशिंगटन, 25 जनवरी (वार्ता)। अमेरिका यूक्रेन को 50 एम1 अब्राम्स टैंक भेजने की योजना बना रहा है और वह बुधवार को इस संबंध में घोषणा कर सकता है। वहीं जर्मनी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ते हुये 14 लैपर्ड-2 टैंक भेजने की घोषणा कर दी है। तुर्की की समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका युद्धग्रस्त देश यूक्रेन को मदद के रूप में इस सप्ताह अमेरिका एम1 अब्राम्स टैंकों को भेजने के फैसले की घोषणा कर सकता है। घोषणा कथित तौर पर जर्मनी के साथ एक व्यापक सौदे का हिस्सा होगी, जो यूक्रेन को अपने लेपर्ड 2 टैंकों की एक छोटी संख्या की आपूर्ति करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग 'पेंटागन' के प्रेस सचिव पैट राइडर ने बताया कि यूक्रेन ने रूस का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों से कम से कम तीन सौ टैंक भेजने का अनुरोध किया है। अब्राम्स टैंक जटिल वाहन हैं जिन्हें उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है।

राइडर ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अब्राम्स टैंकों को चलाने के लिए क्या अमेरिका उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान शुरू कर दिया था, जिसके बाद से पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ा दिया है। मॉस्को ने नाटो सदस्य देशों को अप्रैल में एक नोट भेजा, जिसमें कीव को उनकी सैन्य सहायता की निंदा की गई थी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेनी क्षेत्र में हथियार की कोई भी खेप रूसी सेना के लिए "वैध लक्ष्य" होगी। जर्मनी ने बड़ी घोषणा की है। जर्मनी ने अपनी पिछली स्थिति से यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यूक्रेन में अपने 14 टैंक भेजने और दूसरों को ऐसा करने की अनुमति देने के लिए वह तैयार है।

'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी थोड़ा बढ़ी है, लेकिन उसकी यह आर्थिक वृद्धि कुछ ऐसी है जिसका कुछ हताश देशभक्त और वॉट्स ऐप पर बिना सोचे-समझे मैसेज भेजने वाले लोग ही उत्सव मना रहे हैं। पाकिस्तान की जी.डी.पी. करीब 350 बिलियन डॉलर है। आकार के हिसाब से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था के दसवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक समानता का यदि पहले कभी कोई भ्रम था तो वह दूर होना शुरू हो गया है। भारत के आर्थिक विकास की कहानी अभी शुरू ही हुई है पिछले दो दशकों की भारत की आर्थिक प्रगति पाकिस्तान का संचालन करने वाले चतुर लोगों को भयभीत करने में सफल रही है, ये लोग अब दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मॉर्गन स्टेनले की भविष्यवाणी है कि वर्ष 2030 तक या सात वर्ष से कम समय में भारत की जी.डी.पी. वर्तमान 3.18 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर करीब 8 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। खुशी की यह ऐसी बात है जिसके लिए भविष्यवाणी के डेटा पर बार-बार गौर करने की जरूरत है। कुल वैश्विक निर्यातों में भारत का हिस्सा वर्तमान में 2.2 प्रतिशत है। मॉर्गन स्टेनले को उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक वैश्विक निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। भारत के खुदरा बाजार के इन अगले सात वर्षों में दोगुने से अधिक होकर 1.8 ट्रिलियन हो जाने की उम्मीद है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जी.डी.पी. के प्रति व्यक्ति आंकड़े के 2 हजार 278 डॉलर प्रति वर्ष से बढ़ कर 5 हजार 242 डॉलर प्रति वर्ष हो जाने की उम्मीद है। भारतीय परिवार की वर्तमान में वार्षिक आय 35 हजार डॉलर है, इसके 5.6 प्रतिशत से बढ़ कर 25 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि प्रत्येक चार भारतीय परिवारों में से एक परिवार ग्लोबल मिडिल क्लास होम बन जाएगा। इसमें रहने वाले अधिकांश लोग उच्च शिक्षित होंगे जो उस परिवार के लिए धनार्जन करेंगे। उनमें से अधिकांश विलासिता की वस्तुओं के उपभोक्ता होंगे। पृथ्वी पर इण्डियन सैलीब्रिटीज को सर्वाधिक भुगतान किया जाएगा क्योंकि भारत के अपर मिडिल क्लास ही दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता होंगे। भारत गरीबों के देश से एक ऐसा देश बनने जा रहाहै कि वर्ष 2030 में पूरी अर्थव्यवस्था के समानांतर यहां पर बहुत से अमीर लोग होंगे। "भारतीय होने" को पवन वर्मा जैसे लेखकों ने एक बार परिभाषित किया था कि यह "अस्तित्व संबंधी विरोधाभास" से परिपूर्ण है।

अगले साल वर्षों या उसके बाद भारत की अर्थव्यवस्था इस खाई को पाट देगी। अधिक आय, अधिक सम्पन्नता और अधिक उपभोग "भारतीय होने" की उक्त धारणा में ठोस परिवर्तन लाएगा।

'सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंधित हो। चिदम्बरम ने ट्वीट किया, "विधि मंत्री किरेन रिजीजू कोलीजियम पर हमला करते हुये यह क्यों कह रहे हैं कि उसने जज की नियुक्ति के लिये विचाराधीन तीन नामों से संबंधित आई.बी. एवं रॉ की रिपोर्ट उजागर कर दी?" चिदम्बरम ने आगे कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र ने कोलीजियम द्वारा आगे बढ़ाये गये नामों को पूरी तरह "स्वेच्छाचारिता" के आधार पर खारिज कर दिया।

पुतिन की अमेरिका को धमकी

> ■ पुतिन ने कहा, अमेरिका के सभी टैंक रूस तबाह कर देगा।

मॉस्को, 25 जनवरी। रूस और यूक्रेन के युद्ध को अब एक साल होने जा रहा है, इसके बाद भी यह लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन एक नई रणनीति के साथ यह युद्ध फिर शुरू हो जाता है। एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन और नाटो देश। रूस, यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है तो वहीं यूक्रेन जितने भी नाटो देश हैं उनके सहारे पूतिन की हर चाल को मात देने में जुटा है। नाटो देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन समेत कई देशों ने यूक्रेन को आधुनिक हथियार देने का ऐलान किया है। इसमें अमेरिका का अब्राम्स टैंक, ब्रिटेन का चैलेंजर-2 टैंक और जर्मनी का लेपर्ड टैंक भी शामिल है।

वहीं, रूस ने धमकी दी है कि वह नाटो के किसी भी हथियार की तरह इन देशों के टैंकों को आसानी से नष्ट कर देगा। इस बीच पश्चिमी सैन्य विशेषज्ञों ने कहा है कि यूक्रेन को मिल रहे इन घातक हथियारों का रूसी सेना पर घातक असर हो सकता है। रूसी सेना पूर्वी यूक्रेन में पहले से ही पीछे हट रही है। ऐसे में यूक्रेन की सेना अत्याधुनिक टैंकों, मिसाइलों, रॉकेटों, बख्तरबंद वाहनों की मदद से जबरदस्त जवाबी कार्रवाई कर सकती है।

अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी की कार्रवाइयां संकट को और बढ़ा देंगी। इन देशों का यह फैसला यूक्रेन को रक्षात्मक हथियार मुहैया कराने से कहीं आगे निकल गया है।

'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया।

बैंच ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अथॉरिटी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति ले। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे।

उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैक्सीन लगवा चुका है।

चीन का बहिष्कार कर कड़ा संदेश देने की ज़रूरत : केजरीवाल

> ■ दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, चीन लगातार हमें आँखें दिखा रहा है लेकिन हम उसके खिलाफ कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चीन का बहिष्कार करने का आ ान करते हुए कहा कि वह हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है और हम उससे व्यापार बढ़ाते ही जा रहे हैं।

केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहाँ छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने 74वें गणतंत्र दिवस की दिल्ली और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हम एक तरफ 74वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और दूसरी तरफ आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु जैसे ढेरों नाम हैं जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाई थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के बाद की पीढ़ियों के उपर इस आजादी और जनतंत्र को मजबूत व संभाल कर कायम रखने की जिम्मेदारी दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से चीन हमारी सीमाओं पर हमें आंखें दिखा रहा है। आज ही देश के एक अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश की कुछ जमीन पर कब्जा कर लिया है। यह सभी भारतवासियों के लिए चिंता का विषय है। हमारे सैनिक चीन के सैनिकों से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। पूरी बहादुरी के साथ हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ, हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं तो दूसरी तरफ देश की सारी सरकारों और हर भारतवासी का भी फर्ज बनता है कि हम उनकी इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हमारा भी फर्ज बनता है कि चीन को कड़ा संदेश दिया जाए कि भारतीय यह बर्दाश्त नहीं करेगा। हम चीन का बहिष्कार करें और उसको सख्त संदेश दें। 2020 में हम लोगों ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा और 2021 में 95 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा। हमने 50 फीसद व्यापार बढ़ा दिया। हम तो चीन को और अमीर बनाते जा रहे हैं। उनसे और सामान खरीदते जा रहे हैं, उनको और पैसा दे रहे हैं। चीन हमारे ही पैसे से और अधिक हथियार खरीद रहा है, सैनिकों को भर्ती कर रहा है और हमारे उपर आक्रमण कर रहा है। यह तो सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ पिछले पांच-छह सालों में 12 लाख व्यापारी व उद्योगपति अपना देश छोड़कर विदेश चले गए। वह अपनी व्यवस्था और एजेंसी से परेशान होकर के भारत छोड़कर विदेश चले गए। हमने अपने व्यापारियों व उद्योगपतियों को इतना दुखी कर रखा है कि वह बहुत तंग आ चुके हैं, उनका अपने देश में धंधा मुश्किल हो गया है और भारत छोड़-छोड़कर जा रहे हैं। पिछले 5 साल के अंदर 12 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए। हम अपने लोगों को भगा रहे हैं और चीन से सारा सामान आयात कर रहे हैं, ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा? उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को स्वतंत्र कराया और जनतंत्र की स्थापना की।पिछले कुछ वर्षो से हम देख रहे हैं कि जनतंत्र के ऊपर भी थोड़ी-थोड़ी आंच आने लगी है।जनता और जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों के ऊपर कोई नहीं है। लेकिन पिछले कुछ सालों में हम देख रहे हैं कि एक राज्य ऐसा है, जहां जनता की चुनी हुई सरकार ने ढेरों कानून पास किए, लेकिन वहां का गवर्नर कानून पर दस्तखत करने को तैयार नहीं है। जो कानून जनता ने पास किए, जो कानून जनता की चुनी हुई सरकार ने पास किए, क्या एक आदमी उन कानूनों को रोक सकता है। क्या एक आदमी को अधिकार होना चाहिए कि वो जनता की अभिलाषा, कामनाओं और कामों को रोक दे। यह तो जनतंत्र नहीं है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली के अंदर है। दिल्ली में महंगाई की दर 3 फीसदी है, जबकि गुजरात में 7 फीसदी, हरियाणा में 7.8 फीसदी है, जो दिल्ली से ढाई गुना ज्यादा है। मध्यप्रदेश में महंगाई की दर 7.5 फीसदी है।

पूरे देश में सबसे सस्ती चीजें और सबसे कम महंगाई दिल्ली में है, क्योंकि आज यहाँ बिजली, पानी मुफ्त है। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल है और सरकारी स्कूलों में सारी शिक्षा मुफ्त है। दिल्ली में सारी स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त है। सरकारी अस्पताल में सारा इलाज, टेस्ट, दवाइयां और ऑपरेशन सब कुछ मुफ्त है। महिलाओं के लिए बसों का सफर मुक्त है। बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा मुफ्त है। राशन मुफ्त है।

'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया।

बैंच ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अथॉरिटी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति ले। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे। उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैक्सीन लगवा चुका है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908